समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०१६ • वर्ष ६७ • अंक १२
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

८२वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

उद्‌घाटनकर्ता

महामहिम श्री राम नाथ कोविन्द
राज्यपाल, बिहार

विशिष्ट अतिथि

ले. जन. दुष्यन्त सिंह
मुख्यालय, बंगाल एरिया, भारतीय थल सेना

प्रधान वक्ता

श्री सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

समारोह अध्यक्ष

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

चेयरमैन, स्वागत कमेटी

श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com
From the house of LUX
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2012-2013, 2013-2014 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
फोन : ४००४ ४०८९

८२वाँ स्थापना दिवस समारोह

(सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम)

दिनांक: रविवार, २५ दिसम्बर, २०१६, प्रातः १० बजे

स्थान: कलामंदिर, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता

उद्घाटनकर्ता : **महामहिम श्री राम नाथ कोविन्द**
राज्यपाल, बिहार

विशिष्ट अतिथि : **ले. जन. दुष्यन्त सिंह**
मुख्यालय, बंगाल एरिया, भारतीय थल सेना

मुख्य वक्ता : **श्री सीताराम शर्मा**, पूर्व अध्यक्ष – अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन।

अध्यक्ष : **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, राष्ट्रीय अध्यक्ष - अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन।

पुरस्कार : राजस्थानी भाषा-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु मूर्धन्य साहित्यकार **श्री केसरीकान्त शर्मा 'केसरी'** (मंडावा, राजस्थान) को सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य पुरस्कार।

पुरस्कार : राजस्थानी भाषा के बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु बहुमुखी प्रतिभा के धनी **श्री दुलाराम सहारण** (चूरू, राजस्थान) को केदारनाथ भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य पुरस्कार।

इस अवसर पर कोलकाता की सुपरिचित सांस्कृतिक संस्था समन्वय प्रस्तुत करेगी देशभक्तों, स्वतंत्रता-सेनानियों एवं शहीदों की राष्ट्रभक्ति पर आधारित गीत-संगीत-नृत्य से सुसज्जित कार्यक्रम 'सरजमीं'।

आपकी सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

निवेदक

संतोष सराफ	**शिव कुमार लोहिया**	**कैलाशपति तोदी**	**संजय हरलालका**	**दामोदर प्रसाद विदावतका, दिनेश कुमार जैन**
चैयरमैन-स्वागत कमेटी	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	संगठन मंत्री	संयुक्त मंत्री

विशेष : कार्यक्रम के पूर्व प्रातः ९.२० बजे से ९.५० बजे तक अल्पाहार की व्यवस्था है।

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 60,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream,
towards a better future.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before
“Good morning”
we are the first thing on
a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

समाज विकास

◆दिसम्बर २०१६ ◆वर्ष ६७ ◆अंक १२ ◆एक प्रति - १० रु. ◆वार्षिक - १०० रु.

अनुक्रमणिका

शीर्षक	*पृष्ठ संख्या*
सम्पादकीय : कब मुक्त होंगे फिजुलखर्ची के बंधन से? – ***संतोष सराफ***	११
अध्यक्षीय : सम्मेलन का ८२वें वर्ष में प्रवेश – ***प्रह्लाद राय अगरवाला***	१३
महामंत्री की रपट – ***शिव कुमार लोहिया***	१५-१७
चिट्ठी आई है	१७
धन का बढ़ता महत्व, पंचहीन समाज – ***सीताराम शर्मा***	१९
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विगत अधिवेशन और पदाधिकारी	२०
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति	२१-२२
प्रेरणा के प्रेरक कार्य	२२
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय स्थायी समिति	२३
सम्मेलन के प्राण-पुरुष एवं पूर्व अध्यक्ष के उद्गार	२४-३०
संगठन मजबूत करने में सभी का सहयोग आवश्यक – ***प्रह्लाद राय अगरवाला***	३५-३७
प्रांतीय समाचार	३९-४३
मारवाड़ी सम्मेलन अब राष्ट्रीय भूमिका निभाये – ***विनय सरावगी***	४५
समाज-सुधार के साथ अब समाज-निर्माण की भी चर्चा हो – ***गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया***	४७

स्वत्वावधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सीडीसी प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

With Best Compliments From :

श्री

SAVERA SAREES PVT. LTD.

95, Park Street, Kolkata-70 016

Phone : 2226 2326

Telefax : 91+33 2226 1695

Email : saverasarees@sify.com

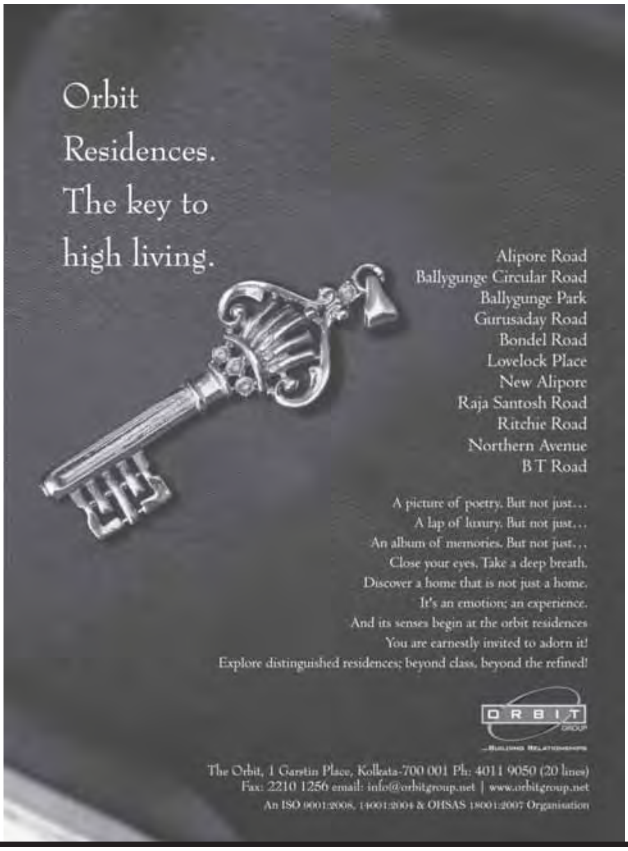

With Best Compliments From :

GANG COMMERCIALS (P) LTD.

(Deals in Real Estates & Investments)

GANG CONSULTANTS & MNGT. (P) LTD.

SPECTRUM TRADE VISION (P) LTD.

SPECTRUM HIRISES (P) LTD.

(Real Estate & Shares, Commodities)

DIAMOND PRESTIGE
41A, A.J.C. Bose Road, Suit # 204, 2nd Floor, Kolkata-700 017
Mobile : 93310 16950, 98302 83320, Email : gaa@icai.org, gopal @gagarwal.com

DISTRICT GOVERNOR (96-97)
DIST-322B2

Multiple Council Chairman (97-98)
MD-322

Lions Clubs International

National Treaserer
All India Marwari Federation

Directors :

Gopal Agarwal
FCA

Alka Agarwal
Patron Member

Gaurav Agarwal
FCA

Bandana Agarwal

At Sarda, we believe that forests and plywood can co-exist. Our plywood makes products using only half the volume of sawn timber. We are also FSC certified using timber sourced from only sustainable managed forests.

So the next time you sit on a chair made of our plywood, you will feel more comfortable knowing you have made a small contribution towards saving a forest.

The Forest Friendly Company

OUR BRANDS

DURO TITANIUM LASTS FOREVER

DURO NATURE'SIGNATURE® PREMIUM VENEERS & PLYWOODS

Durobord® INDIA'S NO.1 BLOCK BOARD

DURO TECHPLY® PLYWOOD • BLOCKBOARD ENGINEERED TO PERFECTION

DURO Pumaply® ALL WEATHER PROOF PLYWOOD

SARDA DUROTEAK® TEAK DECORATIVE PLYWOOD

DUROFLEX™ PREMIUM FLEXIBLE PLYWOOD

DURO TUFFWOOD LVL FRAMES

DURODOOR ELEGANCE HDF MOULDED DOOR

Sarda Plywood Industries Ltd.

Corporate Office:
4th Floor, North Block, 113, Park Street, Kolkata 700016, Phone: (033) 22652274

Toll Free Number:
1800-345-3876 ( ) 10am-6pm/Monday-Friday | E-Mail: corp@sardaplywood.com
www.sardaplywood.in www.facebook.com/DuroplyIndia/
twitter.com/duroply www.instagram.com/duroplywood/?hl=en

सम्पादकीय

कब मुक्त होंगे फिजूलखर्ची के बंधन से?

– संतोष सराफ

हमारे समाज ने कई बुराइयों और कुप्रथाओं को खत्म किया है, नई परंपराएं शुरू की हैं लेकिन आज भी दिखावा, आडंबर और झूठी प्रतिष्ठा के लिए फिजूलखर्ची जैसी महामारी के बंधन से अपने को मुक्त नहीं कर पाए हैं। हमारे संगठन की सार्थकता और पूर्ण सफलता इसी में है कि इस तरह की कुपरम्पराओं को जड़ से खत्म करें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सभी को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ। मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज हित में अपनी लम्बी यात्रा के दौरान कई कार्यक्रम हाथ में लिए, अमली जामा पहनाया और कामयाबियां भी हासिल की, लेकिन स्थापना दिवस के अवसर पर हमें विचार मंथन करने की जरूरत है। अपनी लम्बी यात्रा के दौरान हमने क्या खोया - क्या पाया? इस बिंदू पर गंभीर चिंतन करने की जरूरत है। समय बड़ी तेजी से बदल रहा है और समय के बदलाव के साथ ही साथ परम्पराएं तथा रीति रिवाजों में भी स्वाभाविक बदलाव आते रहते हैं। सामान्य और स्वाभाविक बदलाव तो सामाजिक संरचना और सामाजिक ताने-बाने का एक हिस्सा हैं, लेकिन असामान्य बदलावों पर गौर करने की जरूरत है। सम्मेलन अपने स्थापनाकाल से ही सामाजिक बुराइयों, कुरीतियों और कुपरम्पराओं के खिलाफ आवाज उठाता रहा है। इन बुराइयों को खत्म करने के लिए हमारे पूर्वजों ने आंदोलन किये। उन्हें असहज और विषम परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ा। इसके बावजूद कभी विचलित नहीं हुए और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते चले गये। दुर्भाग्यवश हमारे समाज में आज भी दिखावा, आडंबर और फिजूलखर्ची की बीमारी हावी है। लम्बे समय से समाज में फिजूलखर्ची के खिलाफ चिंतन हो रहा है। सभी आडंबर और दिखावा खत्म करने की बातें जरूर करते हैं। अपनी सहमति भी जताते हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इस पर अमल नहीं हो पा रहा है। फिजूलखर्ची और दिखावा हमारे समाज को किस ओर ले जा रही है, समाज इस बीमारी के चलते किस मुकाम पर पहुंचेगा, कह पाना मुश्किल है। वक्त की जरूरत है कि हम सभी मिलकर दिखावा और आडंबर के खिलाफ मन से काम करें तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

हमारे समाज की पुरानी परंपरा रही है कि शादी-ब्याह या किसी अन्य शुभ अवसर पर जरूरतमंदों और निर्धन लोगों के बीच सेवा काम करते रहे हैं। यह परंपरा कमोवेशे आज भी जारी है। यह बात दीगर है कि दान-पुण्य करने के तौर तरीके बदल गये हैं। कहने का आशय यह है कि दान-पुण्य और सेवा के कार्यों में आज भी हमारा समाज बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। यह एक अच्छी बात है, परंपरा है, जो निभाई जा रही है। तो क्यों न हम सब फिजूलखर्ची के खिलाफ एक अच्छी परंपरा की शुरुआत करें। यह बात कहने की नहीं, बल्कि समझने की है। और इसे लोग अच्छा नहीं मानते, बल्कि आलोचना ही करते हैं।

शादी-ब्याह एवं अन्य अनुष्ठानों में महंगी थालियों का चलन बढ़ता जा रहा है। इस बीच नोटबंदी ने सबक दिया है, उचित खर्च करने का। समय आ गया है कि समारोहों में ३०००-३५०० की थाली को बंद कर नई मिसाल पेश की जाए। अक्सर इन थालियों के लिए जो व्यंजन परोसे जाते हैं, उनकी संख्या इतनी अधिक होती है कि लोग उसे ठीक से चख भी नहीं पाते हैं।

हाल में ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं। कई शादियों ने मिसाल कायम की है। कहीं चाय की चुस्कियों पर शादी हो गयी, तो कहीं बिना दहेज, बाराती के सिर्फ जयमाल से दुल्हा-दुल्हन एक-दूजे के हो गए। कहीं मंगनी का कार्यक्रम चल रहा था, तो घरवालों ने सोचा क्यों न लगे हाथ शादी ही करवा दी जाय, न बैंड न बाजा, न बाराती, और लड़का-लड़की दाम्पत्य सूत्र में बंध गए। तो कहीं मंदिर मे जाकर शादी कर ली गयी। यह महज कुछ उदाहरण हैं। नोटबंदी के दौर में ऐसी मिसाल न सिर्फ जरूरतमंद लोगों (गरीबों) ने दी है, बल्कि कई सक्षम धनाढ्य लोगों ने भी सराहनीय कदम उठाकर समाज को नया संदेश दिया है। ऐसे भी उदाहरण देखने को मिले हैं कि एक धनी व्यक्ति ने अपनी संतान के विवाह के उपलक्ष्य में गरीबों को सवा सौ मकान बनाकर दे दिए। यह भी एक अच्छा संकेत है। जो लोग अपने बच्चों के जन्मोत्सव, विवाह या अन्य कार्यक्रमों पर खर्च करना चाहते हैं, वह जरूरतमंदों के लिए कुछ कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ ही अपनी संतुष्टि भी पा सकते हैं।

यह कहना अतिश्योक्ति न होगी कि समारोहों में दिखावा कर कई लोग अधिक खर्च कर बैठते हैं और कर्जदार भी बन जाते हैं। आजकल निमंत्रण पत्र और उसके साथ भेजे गए तोहफे पर लाखों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं। तमाम तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाने लगा है, जिनका पहले कभी आयोजन नहीं होता था॥

Colourful, sturdy whiter cups and saucers. Something beautiful that brings out the best in your everyday.

Diva®
from LA OPALA®

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

La Opala RG Limited (Corporate Office)
Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020
P 033 6503 6656/7/8/9
Corporate Enquiries 090510 51011 | **E** info@laopala.in | www.laopala.in

अध्यक्षीय

सम्मेलन का ८२वें वर्ष में प्रवेश

– प्रह्लाद राय अगरवाला

समाज के लिए यह गर्व का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपनी स्थापना के ८१ वर्ष पूरे कर ८२वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। मारवाड़ी समाज पूरे देश में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इसकी एकता, विकास एवं अर्थव्यवस्था में समाज ने अतुलनीय महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे समाज के एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का इतिहास गौरवमयी उपलब्धियों से भरा है। किन्तु, अभी भी बहुत कुछ करना है: कारण समाज सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है। अपनी उपलब्धियों के छाँव में हम विश्राम नहीं कर सकते। हाँ! उनसे हम प्रेरणा लेते रहेंगे।

गत अप्रैल मे आयोजित कोलकाता अधिवेशन में मैनें सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद भार ग्रहण किया था। अधिवेशन में स्वीकृत मंत्र 'संगठित समाज सशक्त आवाज' के उद्देश्य को केन्द्र में रखकर संगठन विस्तार पर बल दिया जा रहा है।

केन्द्रीय कार्यालय द्वारा इस सत्र में अब तक ९६ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, १५ संरक्षक सदस्य एवं १३३ आजीवन नये सदस्य बने हैं। इस दिशा में बिहार, झारखंड एवं उत्कल प्रांतों ने प्रशंसनीय सक्रियता दिखायी है, बधाई के पात्र हैं। पश्चिम बंग, दिल्ली और पूर्वोत्तर भी सक्रिय हैं किन्तु यहाँ और प्रयासों की आवश्यकता है।

समाज के हर तबके को साथ लेने, अपने कार्यक्रमों में सहभागी बनाने के उद्देश्य से हमने समाज की अन्य संस्थाओं से सम्पर्क कर बैठकें की। बताते हुए हर्ष है कि अब तक कोलकाता की २९ सामाजिक संस्थाओं ने सम्मेलन की सम्बद्धता ग्रहण की है। इसी प्रकार, समाज की महिलाओं एवं युवक-युवतियों को भी अपने कार्यक्रमों से जोड़ना आवश्यक है। गत महीनों, इसी उद्देश्य से, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें कर एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिससे दोनों संगठन मिलकर अपनी गतिविधियों का संचालन करें और एक-दूसरे के कार्यक्रमों में योगदान करें।

संगठन के इस पुनीत यज्ञ में हर स्तर से, हर व्यक्ति के प्रयास की आवश्यकता है। सभी यथासम्भव अधिकाधिक समाज बंधुओं को सम्मेलन के साथ जोड़ें। देश के हरेक मारवाड़ी परिवार तक सम्मेलन को पहुँचना होगा, उन्हें अपने साथ लेना होगा।

मारवाड़ी समाज के विशिष्ट गुणों, सभ्यता-संस्कृति को बचाकर रखना और सामाजिक खामियों को दूर करना सम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों में हैं। वर्तमान समय में हमारे समाज के समक्ष वैवाहिक समारोहों में मद्यपान की बढ़ती प्रवृति, दाम्पत्य जीवन में कटुता एवं तलाकों की बढ़ती संख्या, बुजुर्गों के प्रति सम्मान में कमी, धार्मिक-वैवाहिक आयोजनों में आडम्बर और धन का भौंडा प्रदर्शन, राजनैतिक सक्रियता की कमी, पारम्परिक व्यवसायों के प्रति युवक-युवतियों की घटती रूचि, आदि प्रमुख समस्यायें हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि सामाजिक परिवर्तन एक अत्यंत कठिन कार्य है और हर व्यक्ति की सहभागिता से ही यह सम्भव हो सकता है। भारत सरकार द्वारा ५०० एवं १००० रुपयों के नोटों के विमुद्रीकरण से भी अनावश्यक खर्च एवं धन प्रदर्शन पर अंकुश के दृष्टिकोण से सकारात्मक असर हुआ है। तथापि, सामाजिक सुधारों के लिये हम सरकार पर निर्भर नहीं रह सकते, यह हम सबकी जिम्मेवारी है।

अपने समाज में राजनैतिक सक्रियता की कमी सम्मेलन के लिए हमेशा चिंता एवं चिंतन का विषय रही है। किसी राजनैतिक दल विशेष का समर्थन न करते हुए भी, सम्मेलन राजनैतिक प्रक्रिया में सभी समाज बंधुओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करता है। साथ ही समाज के राजनैतिक कार्यकर्ताओं को समर्थन और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना भी आवश्यक है।

यह भी विचार का विषय है कि हमारे समाज में हमारी मायड़ भाषा मारवाड़ी का प्रयोग कम होता जा रहा है। यह हमारी अस्मिता और संस्कृति से जुड़ा मुद्दा है और इस पर हमारा ध्यान रहना चाहिए। बाहर आवश्यकतानुसार हम अंग्रेजी, हिन्दी आदि का प्रयोग करें किन्तु घर में हमें पूरी तरह मारवाड़ी होना चाहिए। अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा का ज्ञान देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। खुशी की बात है कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। हमें इन प्रयासों को अपना पूरा सहयोग देना चाहिए।

मैनें जिन बिन्दुओं की चर्चा की - संगठन का विस्तार करना, समाज सुधार के कार्यक्रमों पर सक्रिय योगदान, राजनैतिक सक्रियता, मायड़ भाषा को पहचान, ये सभी 'संगठित समाज - सशक्त आवाज' के मूल मंत्र से जुड़े हैं। हम सब को इन विषयों पर विचार करना है और अपने-अपने स्तर से योगदान करना है - तभी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाओं के साथ,

जय समाज! जय राष्ट्र!! ★★★

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

महामंत्री की रपट

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, स्वागताध्यक्ष महोदय, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण, महामहिम श्री राम नाथ कोविन्द, ले. जेन. दुष्यंत सिंह, सम्मानीय अतिथिगण; सदस्यगण, उपस्थित भाईयों एवं बहनों -

अप्रैल २०१२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २४वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन कोलकाता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह भार ग्रहण किया। सन् २०१६-१८ के लिये श्री अगरवाला ने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में मेरा चयन कर मुझ पर अपना विश्वास प्रकट किया, मैं उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने ८१ वर्ष का सफर तय किया है। सम्मेलन के गौरवपूर्ण अतीत से हम सब भिज्ञ है। इस में हमारे नेतृत्व के साथ-साथ अनगिनत कार्यकर्ताओं का योगदान है।

सत्र २०१६-१८ की गतिविधियाँ आपके समक्ष संक्षेप में रखने की मैं अनुमति चाहता हूँ :-

१) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने निम्नवत राष्ट्रीय पदाधिकारी मनोनीत किए हैं:
अध्यक्षगण - सर्वश्री संतोष सराफ (कोलकाता), सुरेन्द्र लाठ (संबलपुर, उत्कल), राजकुमार पुरोहित (मुम्बई, महाराष्ट्र), ओंकारमल अगरवाला (गुवाहाटी, असम), कमल नोपानी (पटना, बिहार) एवं अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)
महामंत्री - श्री शिव कुमार लोहिया (हावड़ा, पश्चिम बंग)
कोषाध्यक्ष - श्री कैलाशपति तोदी (हावड़ा, पश्चिम बंग)
संगठन मंत्री - श्री संजय हरलालका, कोलकाता
संयुक्त महामंत्री - श्री दिनेश कुमार जैन एवं श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता)

२) ८ मई २०१६ को आशुतोष दे लेन, कोलकाता स्थित सीकर नागरिक परिषद के सभागार में सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

३) अखिल भारतीय समिति की उपयुक्त बैठक में मिले अधिकार के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। समिति का विवरण समाज विकास के मई-जून २०१६ अंक में प्रकाशित किया गया है।

४) गत २१ मई २०१६ को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की इस बैठक में मिले अधिकार के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय स्थायी समिति एवं उपसमितियों का गठन किया गया। स्थायी समिति एवं उपसमितियों की सूची समाज विकास के जुलाई २०१६ अंक में प्रकाशित की गयी है।

५) सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान का निधन गत २५ मई २०१६ को हो गया। ०२ जून २०१६ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में एक शोकसभा आयोजित कर स्व. तुलस्यान को श्रद्धांजलि दी गयी। शोकसभा में सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य, समाजसेवी एवं राजनेता श्री जुगल किशोर जैथलिया, जिनका गत १ जून २०१६ को देहान्त हुआ, को भी श्रद्धांजलि दी गयी।

६) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की पहल पर कोलकाता के सामाजिक संगठनों के साथ बैठकें कर उन्हें अपने साथ लेने एवं कार्यक्रमों से जोड़ने का प्रयास किया गया। 'मंत्रणा बैठक' की संज्ञा से ये बैठकें गत ११ जून २०१६, २४ जून २०१६ एवं ०८ जुलाई २०१६ को आयोजित की गईं। अगली बैठक १७ दिसम्बर २०१६ को आयोजित की गयी। अब तक कुल २० स्थानीय संस्थाओं ने सम्मेलन की सम्बद्धता ग्रहण की है।

७) गत २२ जून २०१६ को हिन्दुस्तान क्लब एवं २३ जून २०१३ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में अखिल भारतीय युवा मंच के शीर्ष नेतृत्व के साथ सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में नजदीकी समन्वय रखने और एक-दूसरे के कार्यक्रमों में भागीदारी के विषय में विचार-विमर्श हुआ एवं इसके लिये एक शीर्ष समन्वयन समिति गठित की गयी।

८) गत १० जुलाई २०१६ को पश्चिम बंग सम्मेलन द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह, कोलकाता स्थित कलामंदिर सभागार में, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिजय कुमार डोकानियाँ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने समारोह का उद्घाटन किया। समाजसेवी सी.ए. श्री गिरधारी लाल सुल्तानिया प्रधान अतिथि एवं सी.ए. श्री बनवारी लाल मित्तल समारोह के प्रधान वक्ता थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने भी समारोह में भाग लिया।

९) गत २९ जुलाई २०१६ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन की नवगठित स्थायी समिति की पहली बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

१०) गत ३१ जुलाई २०१६ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पटना में आडम्बर निवारण विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी विचार गोष्ठी के संयोजक थे। विचार गोष्ठी में राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतनलाल शाह ने प्रधान वक्ता के रूप में भाग लिया।

११) गत ५ अगस्त २०१६ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति की बैठक, उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१२) गत १६ अगस्त २०१६ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में पंचायत उपसमिति की बैठक उपसमिति के चेयरमैन श्री रामअवतार पोद्दार के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१३) गत २७ अगस्त २०१६ को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में पश्चिम बंग के समाज के नवनिर्वाचित विधायकों सुश्री वैशाली डालमिया एवं श्री कन्हैयालाल अग्रवाल हेतु एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में किया गया। पश्चिम बंग से राज्य सभा सांसद श्री विवेक गुप्ता समारोह के विशिष्ट अतिथि एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाज चिंतक श्री सीताराम शर्मा प्रधान वक्ता थे।

१४) सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति के गठन की प्रक्रिया, संविधान के प्रावधानों के अनुसार, गत १ जून २०१६ से ३१ अगस्त २०१६ के बीच, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका की देख-रेख में की गयी। नवगठित अखिल भारतीय समिति का विवरण समाज विकास के सितम्बर २०१६ अंक में प्रकाशित किया गया है।

१५) गत २ सितम्बर २०१६ को, सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन एवं युवा मंच के शीर्ष समन्वन समिति की बैठक सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में एक-दूसरे के भावी कार्यक्रमों में भागीदारी एवं आगे के कार्यक्रमों हेतु रणनीति पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

१६) गत ३ सितम्बर २०१६ को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

१७) गत २४ सितम्बर २०१६ को सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सम्मेलन कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

१८) गत २५ सितम्बर २०१६ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा इसी सभागार में 'समाज रत्न सम्मान समारोह' का आयोजन प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला की अध्यक्षता में किया गया। बिहार विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने समारोह का उद्घाटन किया। विधान पार्षद श्री ललन कुमार सराफ एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

१९) गत ३१ अक्तूबर २०१६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में कोलकाता स्थित हल्दीराम बैंक्वेट हॉल में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में दीपावली प्रीति मिलन का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री हरिमोहन बांगड़ मुख्य अतिथि, दैनिक सन्मार्ग के यशस्वी सम्पादक व सांसद श्री विवेक गुप्ता विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व समाज चिन्तक श्री सीताराम शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

२०) संगठन विस्तार : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला के सक्रिय प्रयासों से वर्तमान सत्र में अब तक ९६ विशिष्ट संरक्षक, १५ संरक्षक एवं १३५ आजीवन, कुल २४६ नये सदस्य केन्द्रीय कार्यालय से बन चुके हैं। प्रांतीय शाखाओं से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में (१ अप्रैल २०१६ के बाद) अब तक बिहार से ७ संरक्षक और १९१ आजीवन, कुल १९८ सदस्य; झारखंड से ३ संरक्षक, १०० आजीवन

एवं २० साधारण सदस्य, कुल १२३ सदस्य; उत्कल से ७६ आजीवन, २ विशिष्ट एवं ३६९ साधारण, कुल ४४७ सदस्य; दिल्ली से १७ आजीवन सदस्य; उत्तराखंड से २६ आजीवन, ६ विशिष्ट एवं १ साधारण, कुल ३३ सदस्य; पूर्वोत्तर से ६ आजीवन, ९ विशिष्ट और ३०० साधारण, कुल ३१५ सदस्य; पश्चिम बंग से ३८ आजीवन सदस्य और महाराष्ट्र से २ आजीवन और ९ विशिष्ट, कुल ११ सदस्य बने हैं।

२१) महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की चुनाव की अवधि पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की निष्क्रियता एवं चुनाव सही प्रक्रिया के अन्तर्गत नहीं होने की सूचना मिलने पर संविधानसम्मत कार्यवाही करते हुए प्रांत को विघटित कर दिया गया है। इस सम्बंध में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका विवरण देंगे।

२२) वर्तमान सत्र में पंचायत उपसमिति (चेयरमैन – श्री रामअवतार पोद्दार), वैवाहिक परिचय (चेयरमैन – श्री ऋषि बागड़ी) एवं रोजगार सहायता (चेयरमैन – श्री दिनेश जैन) हेतु उपसमितियाँ गठित की गयी हैं। इनके विवरण 'समाज विकास' में समय-समय पर प्रकाशित किए गए हैं। आप सबसे इन कार्यक्रमों से जुड़ने एवं लाभ उठाने का सादर निवेदन है।

२३) मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार उच्च शिक्षा कोष से अब तक कुल एक करोड़ दस लाख अड़सठ हजार चार सौ उनतालिस (रु. १,१०,६८,४३९) रुपयों की राशि देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को दी जा चुकी है।

२४) राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिये एस.आर. रुँगटा ग्रुप के आर्थिक सहयोग से पं. केसरीकान्त शर्मा 'केसरी' रचित 'सीखो राजस्थानी - सहज राजस्थानी व्याकरण' नामक पुस्तक सम्मेलन के सदस्यों को राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका की देख-रेख में भेजी जा रही है।

२५) रविवार ११ दिसम्बर २०१६ को पटना के बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में अखिल भारतीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

२६) **भावी कार्यक्रम** : सक्रियता के साथ संगठन-विस्तार एवं इसके लिये प्रांतीय शाखाओं और सभी सदस्यों को साथ लेना, उत्प्रेरित करना एवं उनसे लगातार समन्वय रखना। भंग हुए प्रांतों में तदर्थ समिति का गठन कर चुनाव करवाना। महिला सम्मेलन एवं युवा मंच के साथ समन्वय एवं भागीदारी को और गति देना। समाज की अन्य संस्थाओं को साथ लेने का प्रयास जारी रखना, अपने कार्यक्रमों में शामिल करना।

चिट्ठी आई है

समाज विकास : सुन्दर व पठनीय

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ३२ पृष्ठीय मुखपत्र में 'संघे शक्ति कलियुगे' समझाने का स्तुत्य प्रयास है। हमारा समाज कर्मठ, उद्योगी, व्यापारी सेवाओं में अग्रणी होने के बावजूद उपेक्षा का शिकार होता है। उनकी समस्याओं को सुनने एवं समाधान करने के लिए संगठन को मजबूत बनाना है। 'संगठित समाज सशक्त आवाज' का नारा स्वीकृत किया गया है।

श्री प्रह्लादराय अगरवाला की निश्रा में कार्यक्रमों के गतिविस्तार में सदस्यता विस्तार पर जोर दिया गया है। संस्कार, संस्कृति चेतना सभा में विद्यालयों में कार्यक्रम करने का विचार किया गया है।

अ.भा.मा. सम्मेलन की अ.भा. समिति के गठन का विस्तृत वर्णन दिया गया है। समाचारों में निःशुल्क दंत चिकित्सा परामर्श एवं रक्त परीक्षण शिविर, भजन संध्या, भंडारा एनआरसी व सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा का ब्योरा दिया गया है। गुवाहाटी की मारवाड़ी महिला समिति को पूर्ण शाखा का दरर्ज देने के साथ युवा मंच मिलकर काम करें संकेत दिया गया है।

समाचार सार में 'निकिता', जिसने बड़ी हिम्मत से बदमाशों से लोहा लिया, का समाचार है। केसरी कांत शर्मा 'केसरी' को सरस्वती सम्मान से सम्मानित करने के समाचार है। रामनिवास लखोटिया के पुत्र शोक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

राजस्थानी दो कविताओं के साथ पुस्तक का पटाक्षेप किया गया है। श्री संतोष सराफ संपादकजी ने अपने सहयोगी संपादकों के साथ इस मुखपत्र को हर तरह से सुन्दर सुपाठ्य बनाया है। 'समाज विकास' का अंक विकास की प्रेरणा देकर संगठित करने की अद्भुत क्षमता समेटे हुए है।

– **संपत देवी मुरारका**, हैदराबाद

ऊँचाई चौखटों की लाख बढ़ा लो,
कद तो इंसानियत से ही बढ़ता है।

♦ ♦ ♦ ♦ ♦ ♦ ♦

आप भले ही अपनी जिंदगी से खुश नहीं हो, पर कुछ लोग ऐसे भी है, जो आप जैसी जिंदगी जीने के लिए तरसते हैं।

TITAGARH

Wagon Manufacturing
- Indian Railway Freight Cars
- Special Purpose / Private Sector Freight Cars

Heavy Earth Moving and Mining Equipment
- Crawler crane
- Hydraulic excavators

Passenger Coaches
- Electric Multiple Unit
- Metro Coach
- Other Coaches (DEMU and MEMU)

Steel Casting
- Bogies
- Couplers
- Crossing

Special Projects
- Bailey Bridge
- NBC Shelter
- Special Defence Wagons

TITAGARH GROUP

TITAGARH TOWERS: 756 Anandpur, Kolkata-700107,India. Email: corp@titagarh.in. Tel:+91-33-40190800. Fax: +91-33-40190823.
Webiste: www.titagarh.biz

धन का बढ़ता महत्व, पंचहीन समाज

– सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

निःसन्देह गत कई दशकों से समाज एवं देश में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों में लगातार गिरावट आ रही है। सामाजिक स्तर पर टूटते परिवार, बढ़ते तलाक, अभूतपूर्व आडम्बर एवं दिखावा, बुजुर्गों के प्रति सम्मान में कमी तथा राष्ट्रीय स्तर पर सर्वव्यापी भ्रष्टाचार एवं आर्थिक घोटाले इन मूल्यों की गिरावट की कहानी ही कहते हैं। अब तो कोई क्षेत्र-न्यायपालिका, पत्रकारिता और यहां तक कि सुरक्षा भी इससे अछूता नहीं है।

धन की महत्ता एवं बढ़ते प्रभाव ने सभी नीतियों, सिद्धान्तों एवं मूल्यों को बौना कर दिया है। भौतिकवादी एवं भोगवादी युग में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में एक अप-संस्कृति का जन्म हो रहा है। विवाह जैसी पवित्र, शाश्वत एवं वैदिक परम्परा की महत्ता पर प्रश्न चिह्न लगाना इसी अप-संस्कृति का परिचायक है।

जीवन एवं मृत्यु के बीच विवाह सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण संस्कार हैं। प्रायः सभी धर्मों में विवाह को ईश्वर का वरदान माना गया है। सम्भवतः यही वजह है कि प्रत्येक विवाह में धार्मिक पुजारी की उपस्थिति आवश्यक है। चाहे वह पुजारी हो, इमाम या काजी हो, या भले ही पादरी हो। सभी धर्मों में वैवाहिक संस्था को पवित्रता एवं शाश्वतता का सम्मान दिया गया है तथा तलाक को अवांछित एवं दुःखद बताया गया है।

निःसंदेह विवाह के रूप एवं स्वरूप में कतिपय परिवर्तन हो रहे हैं। कुछ शुभ, कुछ अशुभ। समाज को इन प्रश्नों पर विचार करना होगा एवं समयानुसार अपने आपको ढालना होगा। प्रेम-विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, दहेज, दिखावा, आडम्बर, तलाक सामाजिक प्रश्न हैं जिन पर बातचीत आवश्यक है। धन एवं सतंत्रता के अहंकार ने मनुष्य को स्व-केन्द्रीय बना दिया है। वह व्यक्तिवादी बनता जा रहा है। अपने अतिरिक्त किसी अन्य के विषय में सोचना नहीं चाहता। अपने व्यक्तिगत सुख एवं आनन्द में किसी भी तरह की कमी या दखलअन्दाजी को वह बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। उसके लिये अपना सुख एवं अपना जीवन ही सर्वोपरि है। उसे अपने सामाजिक दायित्व से कोई सरोकार नहीं। सामाजिक जिम्मेवारी के बन्धन से मुक्त यह व्यक्ति सामाजिक नैतिक मूल्यों को स्वीकार नहीं करता, वह एक ऐसे माहौल में जीना चाहता है जहां वह स्वतंत्र, स्वच्छंद एवं मनमर्जी का जीवन केवल अपने सुखों के लिये जी सके। उसे पारिवारिक बंधनों रिश्तों की परवाह नहीं है, ये रिश्ते उसकी मनमानी जीवनशैली में रोड़ा अटकाते हैं। सफलता एवं सम्पन्नता के खुमार में उसे न संयुक्त परिवार की परवाह है और न ही समाज की। समाज की मर्यादाओं को अपनी खुशी में कांटा समझता है। जीवन के तराजू पर तौलता आज का समाज केवल 'टका धर्म' में विश्वास करता है। धन बोलता है, धन चलता है। हमें इस टका धर्म को अलविदा कहना होगा। अन्यथा सामाजिक नैतिक मूल्यों की गिरावट को रोकना सम्भव नहीं होगा। विवाह जैसी पवित्र संस्था को खतरा बना रहेगा। एक वर्ग है जिसे समाज की परवाह नहीं है, क्योंकि ये समाज को धत्ता बताने की ताकत का गुमान रखते हैं। तभी तो हाल ही में आयोजित एक परिचर्चा में कुछ एक वक्ता वैवाहिक संस्थान की महत्ता खोने की बात करते-करते इसकी प्रासंगिता पर भी सवाल उठा गए, यहां तक कि समलैंगिक विवाह की चर्चा तक कर डाली।

यह दुर्भाग्य है कि समाज ने 'धन' के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया है। आज समर्थ कुछ भी कर सकता है। वह समाज को अंगुली पर नचाता है। समाज उस पर अंगुली उठाने की क्षमता को खो रहा है। यह दुर्भाग्य है कि समाज में 'सही' को 'सही' बोलने वाले प्रायः लुप्त हो गये है। धन के पहिये के रथ पर समाज चल रहा है। जो समर्थ है, जो धनी है वही सही है। इसीलिये तो जब बेटा बाप से अधिक धनी हो जाता है तो परिवार एवं समाज के कानून के साथ-साथ बाप-बेटे के रिश्ते भी वही तय करता है।

समाज भी इस स्थिति के लिये कहीं न कहीं दोषी है। कोई भी खुलकर नहीं बोलना चाहता, सभी अपने छोटे-मोटे स्वार्थ के चलते मूक एवं पंगु बन गए हैं। एक समय था जब समाज में ऐसे व्यक्ति थे जो मुंह पर कहने का साहस रखते थे कि 'तुम गलत कर रहे हो, समाज यह बर्दाशत नहीं करेगा।' वे समाज के पंच थे, आज तो हमारा समाज 'पंचहीन' हो गया है। सभी कांच के घर में पत्थरों से डर कर बैठे हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विगत अधिवेशन और पदाधिकारी

कार्यकाल	स्थान	अध्यक्ष	महामंत्री
१९३५-१९३८	कोलकाता	स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी (कोलकाता)	स्व. भूरामल अग्रवाल
१९३८-१९४०	कोलकाता	स्व. पद्मपत सिंघानिया (कानपुर)	स्व. ईश्वरदास जालान
१९४०-१९४१	कानपुर	स्व. बद्रीदास गोयनका (कोलकाता)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
१९४१-१९४३	भागलपुर	स्व. रामदेव पोद्दार (मुम्बई)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
१९४३-१९४७	दिल्ली	स्व. रामगोपाल मोहता (बीकानेर)	स्व. बजरंगलाल लाठ
१९४७-१९५४	मुम्बई	स्व. बृजलाल बियाणी (अकोला)	स्व. रामेश्वरलाल केजड़ीवाल
१९५४-१९६२	कोलकाता	स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी (जबलपुर)	स्व. नन्दकिशोर जालान
१९६२-१९६६	कोलकाता	स्व. गजाधर सोमानी (मुम्बई)	स्व. रघुनाथ प्रसाद खेतान
१९६६-१९७४	पूना	स्व. रामेश्वरलाल टांटिया (कोलकाता)	स्व. रामकृष्ण सरावगी स्व. दीपचन्द नाहटा
१९७४-१९७६	राँची	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	स्व. नन्दकदिशोर जालान
१९७६-१९७९	हैदराबाद	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	स्व. नन्दकिशोर जालान
१९७९-१९८२	मुम्बई	स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार (मुम्बई)	स्व. बजरंगलाल जाजू
१९८२-१९८६	जमशेदपुर	स्व. नन्दकिशोर जालान	स्व. बजरंगलाल जाजू श्री रतन शाह
१९८६-१९८९	कानपुर	स्व. हरिशंकर सिंहानिया (दिल्ली)	श्री रतन शाह
१९८९-१९८९	राँची	स्व. रामकृष्ण सरावगी (कोलकाता)	स्व. दुलीचंद अग्रवाल
१९८९-१९९३		स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी (कार्यवाहक अध्यक्ष)	
१९९३-१९९७	दिल्ली	स्व. नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	स्व. दीपचंद नाहटा
१९९७-२००१	हैदराबाद	स्व. नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
२००१-२००४	कानपुर	श्री मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
२००४-२००६	मुम्बई	श्री मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री भानीराम सुरेका
२००६-२००८	भुवनेश्वर	श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता)	श्री रामअवतार पोद्दार
२००८-२०१०	दिल्ली	श्री नन्दलाल रूँगटा (चाईबासा)	श्री रामअवतार पोद्दार
२०१०-२०१३	पटना	डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया (कोलकाता)	श्री संतोष सराफ
२०१३-२०१६	गुवाहाटी	श्री रामअवतार पोद्दार (कोलकाता)	श्री शिव कुमार लोहिया
२०१६	कोलकाता	श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता)	श्री शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता), राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री सन्तोष सराफ (कोलकाता), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र लाठ (उत्कल), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री राज कुमार पुरोहित (मुम्बई), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री ओंकारमल अग्रवाल (गुवाहाटी), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री कमल नोपानी (पटना), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री शिव कुमार लोहिया (हावड़ा, प.बंग), राष्ट्रीय महामंत्री
श्री कैलाशपति तोदी (बवड़ा, प.बंग) राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), राष्ट्रीय संगठन
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
श्री दिनेश कुमार जैन (कोलकाता), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

सदस्य, कार्यकारिणी समिति

श्री आत्माराम सोंथलिया (कोलकाता)
श्री बाबूलाल धनानिया (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल शर्मा (सोती) (कोलकाता)
श्री प्रह्लाद राय गोयनका (कोलकाता)
श्री हरि प्रसाद बुधिया (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री जुगल किशोर सराफ (कोलकाता)
श्री नन्द किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विवेक गुप्त (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार जालान (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री श्याम सुन्दर बेरीवाल (कोलकाता)
श्री सन्तोष कुमार रुंगटा (कोलकाता)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अमित सरावगी (कोलकाता)
श्री दीनदयाल गुप्ता (कोलकाता)
श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ सेकसरिया (कोलकाता)
श्री कमल कुमार दुग्गड़ (कोलकाता)
डॉ. बिट्ठल दास मुंधड़ा (कोलकाता)
श्री भगवती प्रसाद जालान (कोलकाता)
श्री गौरी शंकर अग्रवाल (बलांगीर, उत्कल)
श्री विनय सरावगी (राँची)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (पटना)
श्री राज कुमार केडिया (राँची)
श्री पवन कुमार सुरेका (दरभंगा, बिहार)
श्री हरिकृष्ण चौधरी (कोलकाता)
श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल (गुवाहाटी)
श्री रमेश कुमार बंग (हैदराबाद)
श्री बनवारीलाल मित्तल (कोलकाता)
श्री ऋषि बागड़ी (कोलकाता)
श्री अशोक कुमार तोदी (कोलकाता)
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री राजेश गुप्ता (नई दिल्ली)

स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री गोविन्द प्रसाद केजरीवाल (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री ब्रह्मानंद अग्रवाल (कोलकाता)
श्री भंवरलाल जैसनसरिया (कोलकाता)
श्री सुदेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री मुरारी लाल खेतान (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार जैन (कोलकाता)
श्री घनश्याम दास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री इन्द्र चंद गुप्ता (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल (कोलकाता)
श्री नंदगोपाल खेतान (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत (कोलकाता)
श्री प्रमोद कुमार शाह (कोलकाता)
श्री धरम चंद अग्रवाल (कोलकाता)
श्री भागचंद पोद्दार (राँची)
श्री सुभाष मुरारका (कोलकाता)
श्री धरम चंद जैन (मोदी) (कोलकाता)
श्री रवीन्द्र चमड़िया (कोलकाता)
श्री द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल (कोलकाता)
श्री राजेन्द्र प्रसाद पंसारी (कोलकाता)
श्री नंदलाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री पवन कुमार लिल्हा (कोलकाता)
श्री प्रेमचंद सुरेलिया (हवड़ा)
श्री राम कैलाश गोयनका (कोलकाता)
श्री श्यामलाल डोकानिया (कोलकाता)
श्री द्वारिका प्रसाद डाबड़ीवाल (कोलकाता)
श्री भगवान दास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सांबरलाल शर्मा (जमशेदपुर)
श्री जगदीश प्रसाद पोद्दार (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार जालान (कोलकाता)
श्री सम्पतमल बच्चावत (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार सेकसरिया (कोलकाता)
श्री राज कुमार गुप्ता (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रतनलाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री निकुंज बिदावतका (कोलकाता)
श्री बिजय कुमार गुजरवासिया (कोलकाता)
श्री जगदीश प्रसाद चौधरी (कोलकाता)
श्री देव किशन मोहता (हवड़ा)
श्री वरुन बियानी (कोलकाता)

पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री हरिप्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतनलाल शाह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री सन्तोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री नरेश चंद्र विजयवर्गीय, अध्यक्ष, आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, अध्यक्ष, बिहार सम्मेलन
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, अध्यक्ष, झारखण्ड सम्मेलन
श्री कमलेश नाहटा, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश सम्मेलन
श्री जयप्रकाश एस. मुंधड़ा, अध्यक्ष, महाराष्ट्र सम्मेलन
श्री प्रमोद तिवाड़ी, महामंत्री, पूर्वोत्तर सम्मेलन
श्री सत्यनारायण अग्रवाल, महामंत्री, पश्चिम बंग सम्मेलन
श्री राज कुमार मिश्र, महामंत्री, दिल्ली सम्मेलन
श्री जगदीश गोलपुरिया, महामंत्री, उत्कल सम्मेलन
श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, महामंत्री, उत्तराखण्ड सम्मेलन
श्रीमती सुषमा अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री, मारवाड़ी महिला सम्मेलन
श्री अशोक कठारिया, राष्ट्रीय महामंत्री, मारवाड़ी युवा मंच

श्री नंदलाल रुँगटा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रामअवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री भानीराम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

श्री रामपाल अट्टल, महामंत्री, आन्ध्र प्रदेश सम्मेलन
श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, महामंत्री, बिहार सम्मेलन
श्री बसंत कुमार मित्तल, महामंत्री झारखण्ड सम्मेलन
श्री सुभाष पागरिया, महामंत्री, मध्य प्रदेश सम्मेलन
श्री मधुसूदन सीकरिया, अध्यक्ष, पूर्वोत्तर सम्मेलन
श्री बिजय डोकानियाँ, अध्यक्ष, पश्चिम बंग सम्मेलन
श्री पवन कुमार गोयनका, अध्यक्ष, दिल्ली सम्मेलन
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, अध्यक्ष, उत्कल सम्मेलन
श्री रंजीत कुमार जालान, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड सम्मेलन
श्रीमती मीना गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्षा, मारवाड़ी महिला सम्मेलन
श्री रवि कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच

प्रेरणा के प्रेरक कार्य

प्रेरणा होने से ही तो इन्सान आगे बढ़ पाता है, कुछ करने को मन करता है। नये सिरे से चालू हुई यह संस्था (N.G.O.) चार-पाँच मित्रों ने मिलकर शुरु की, बाद में लोग जुड़ते गये।

एक बहुत ही अच्छा एवं बड़ा काम प्रेरणा प्लेटफार्म से जो किया जा रहा है - "नीमतल्ला घाट", "केवड़ातल्ला घाट", "अहिरिटोला घाट" जहाँ मरणोपरांत शरीर को दफनाया जाता है - उनका बराबर रखरखाव एवं विकास का काम K.M.C. से प्रेरणा ने जिम्मा ले रखा है। PATTON सहित अन्य दो ORGANISATION CENTURY एवं SKIPPER तीनों मिलकर महीने का खर्चा आपस में बाँट लेते हैं।

इन तीन चार वर्षों में बहुत ही सुधार हुआ है - सभी ने मुक्तकंठ से सराहा है। लगता नहीं था कि श्मशान घाट में ऐसी साफ़ सफाई व आयोजन भी हो सकता है।

२० नवम्बर २०१६ को बंगाल सरकार की मंत्री सुश्री शशि पांजा ने गुरु रबिन्द्रनाथ टैगोर के समाधि स्थल से "स्वर्गवाहिनी" नाम से वातानुकूलित शवयान को हरी झंडी दिखाई जो शव को श्मशान घाट तक एक बहुत ही न्यूनतम शुल्क पर लाने के काम आयेगी। सांसद श्री बंदोपाध्याय सन्देश देकर हम सबको शुभकामनाएँ दी। उन्होंने भी प्रेरणा द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा कर हमें प्रोत्साहित किया। इस आयोजन में श्री विजय उपाध्याय, श्री साधन साहा, श्री संजय बुधिया, श्री कुंजबिहारी अगरवाल, श्री सांवरमल भीमसरिया एवं श्री पवन टिबड़ेवाल ने शामिल होकर मंच को सुशोभित किया एवं अच्छी उपस्थिति के बीच सभी ने प्रेरणा द्वारा किये जा रहे कामों की सराहना की।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय स्थायी समिति

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, अध्यक्ष

श्री संतोष सराफ, उपाध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र लाठ, उपाध्यक्ष
श्री कमल नोपानी, उपाध्यक्ष
श्री शिव कुमार लोहिया, महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका, संगठन मंत्री
श्री दिनेश कुमार जैन, संयुक्त महामंत्री
श्री ओंकारमल अगरवाला, उपाध्यक्ष
श्री राजकुमार पुरोहित, उपाध्यक्ष
श्री अनिल कुमार जाजोदिया, उपाध्यक्ष
श्री कैलाशपति तोदी, कोषाध्यक्ष
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, संयुक्त महामंत्री

सदस्य स्थायी समिति

श्री विश्वनाथ सिंघानिया
श्री दिलीप कुमार गोयनका
श्री रामनिवास शर्मा (चोटिया)
श्री विनोद कुमार सराफ
श्री शरद केडिया
श्री संजय शर्मा
श्री संदीप कुमार सेकसरिया
श्री संजय गोयनका
श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (केयाल)
श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल
श्री राधाकिशन सफ्फड़
श्री सुरेश अग्रवाल
श्री श्रीमोहन चौधरी
श्री काशी प्रसाद ढेलिया
श्री ओम लड़िया
श्री रमेश कुमार बुबना
श्री विष्णु पोद्दार
श्री प्रमोद कुमार गोयनका
श्री राजेश कुमार पोद्दार
श्री शिव कुमार बागला
श्री मनोज कुमार अग्रवाल
श्री आकाश
श्री रवि लोहिया
श्री संजय कुमार अग्रवाल
श्री मनोज चाँदगोठिया

पदेन सदस्य : सम्मेलन की सभी उपसमितियों के चेयरमैन एवं संयोजक स्थायी समिति के सदस्य होंगे। सम्मेलन की उपसमितियाँ निम्नवत् हैं।

उपसमितियों के चेयरमैन एवं संयोजक

उपसमिति	चेयरमैन	संयोजक
सलाहकार	श्री सीताराम शर्मा श्री संतोष कमार रुँगटा (को-चेयरमैन)	श्री संतोष सराफ
संविधान एवं विधिक	श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री संजय कुमार हरलालका
उच्च शिक्षा	डॉ हरिप्रसाद कानोड़िया	श्री आत्माराम सोंथलिया
राजनैतिक चेतना	श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री नंदकिशोर अग्रवाल
समाज सुधार	डॉ. जुगल किशोर सराफ	श्री शिव कुमार लोहिया
वित्तीय	श्री आत्माराम सोंथलिया	श्री कैलाशपति तोदी
निर्देशिका	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल	श्री संजय कुमार हरलालका
सदस्यता	श्री बुलाकी दास भैया	श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका
वैवाहिक परिचय	श्री ऋषि बागड़ी	श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका
रोजगार	श्री दिनेश कुमार जैन	श्री ऋषि बागड़ी
पंचायत	श्री रामअवतार पोद्दार	श्री नंदलाल सिंघानिया
पुरस्कार चयन	श्री नंदलाल रुँगटा	श्री संजय कुमार हरलालका
संस्कार संस्कृति चेतना	श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
युवा	श्री नंद किशोर अग्रवाल	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
भवन निर्माण	श्री हरि प्रसाद कानोड़िया	श्री संतोष सराफ

उद्गार

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान

धन और सम्पत्ति को गरीबों के उत्थान में लगा सकें, और देश की आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में सहायक बन सकें, तो यह समाज न केवल जनता का आदर और सम्मान ही प्राप्त कर सकता है, बल्कि देश का नेतृत्व ग्रहण कर सकता है। भामाशाह ने यदि राणाप्रताप को उनकी विपत्तियों में सहायता नहीं पहुँचाई होती, तो भामाशाह का नाम आज कौन याद करता। हजारों ही अमीर आये और चले गये, किन्तु भामाशाह को हम आज भी याद करते हैं।... मारवाड़ी समाज आज भारत के जिस अंचल में है, उसका अपना बनकर उसे अपना बनाये, यही उसका परम पुरुषार्थ है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९३५-१९३८

भूतपूर्व अध्यक्षस्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी

अभी तक समाज की विभिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है, श्रृंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव डालने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्यान्य समाजों के साथ अपनी सत्ता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं। इस प्रकार के संगठन की आवश्यकता जो हम इस समय विशेष रूप से अनुभव कर रहे हैं इसका कारण है देश की स्थिति में परिवर्तन। आज समाज के वृद्ध एवं युवक दल में, सनातनी और सुधारक में जो इतना पार्थक्य दीख रहा है और दोनों एक दूसरे को कोसों दूर समझते हैं, उसका कारण भ्रम ही है। यह भ्रम दोनों का ही एक समान शत्रु है।

१९३८-१९४०

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. पद्मपत सिंघानिया

समाज के सुधार की समस्या वर्षों से हमारे सामने है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। किन्तु यह विषय इतना विवादास्पद है कि हमने आपस में कहीं तर्क-वितर्क किया भी है, पर खास ध्यान आकर्षित करना उचित नहीं प्रतीत होता। मैं उसे भविष्य के लिए छोड़ देता हूँ किन्तु यह चेतावनी दे देना भी जरूरी समझता हूँ कि हम चाहें अथवा नहीं, सामाजिक समस्या का निकट भविष्य में सामना करना ही पड़ेगा। आज नहीं तो कल हमको एकत्र होकर अपने समाज के सम्पूर्ण संगठन की योजना और सामाजिक पहेलियों का निदान करना ही पड़ेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९४०-१९४१

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. बद्रीदास गोयनका

मारवाड़ी समाज के लिए व्यापारिक शिक्षा का प्रश्न सबसे अधिक महत्व का है। समाज के नवयुवक आधुनिक व्यापार की जरूरतों के माफिक शिक्षा प्राप्त कर सकें, उसके लिए व्यावहारिक और किताबी दोनों प्रकार की व्यापारिक शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है जिसको प्राप्त कर हमारे नवयुवक अपने जीवन में योग्य साबित हो सकें। खेद है कि अब तक इस विषय में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया गया है और अभी तक इस विषय का अभाव उसी तरह बना हुआ है जितना दस वर्ष पहले था।

१९४१-१९४३

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामदेव पोद्दार

हमारे समाज में गमी, ब्याह और छोटे-छोटे प्रसंगों में धन का अपव्यय करने की कुप्रथा है। इससे सभी भाइयों को कष्ट तथा धन-ह्रास और समय नष्ट होता है। अब युग-परिवर्तन हो गया है। इससे हमारी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है, इसलिए इन अवसरों पर फिजूलखर्च नहीं करना चाहिए। जनता का ध्यान इधर जा रहा है और आशा है कि यह कुप्रथा भी शीघ्र ही दूर हो जाएगी।

१९४३-१९४७

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामगोपाल जी मोहता

आज पूँजीपतियों के द्वारा जो शोषण का सिलसिला जारी है उसके विरुद्ध मानो भगवान ने जो गीता में कहा है उसी प्रतिज्ञा की पूर्ति के लिए समाजवाद और साम्यवाद प्रकट हो रहे हैं। हमको अपना रवैया बदलना होगा, अपनी योग्यता को कर्त्तव्य कर्मो के द्वारा लोक सेवा में लगाना होगा। सबके सहयोग से प्राप्त किये हुए धन को विश्व की सम्पत्ति समझना होगा, तभी सब सुख-शान्तिपूर्वक जीवित रह सकेंगे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९४७-१९५४

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. बृजलाल बियाणी

मारवाड़ी सम्मेलन आज तक सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ अंश तक अलिप्त रहता आया है, पर अब समय आ गया है कि हमारा यह सम्मेलन अपनी इस अलिप्तता या अपेक्षा को त्याग कर सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाए। इस सम्मेलन का सम्भवतः यह एक प्रधान कार्य भी हो। यदि हम समाज के सामाजिक रूप को समय के अनुरूप बना दें तो काफी सहूलियतें हो सकती हैं।

१९५४-१९६२

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी

ऐसा लगता है कि आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दीवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे जल्दी धनी बना जाय। कुछ लोगों ने इसका तरीका निकाला है – विवाह में मोटा दहेज लेना। प्रत्येक व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह धनसम्पन्न परिवार में करना चाहता है। मैं समझता हूँ कि "टका धर्म" के कारण ही दहेज-प्रथा आज उग्र रूप धारण कर रही है। यदि हम इसे हटाना चाहते हैं तो हमें "टका धर्म" को अलविदा कर देना है।

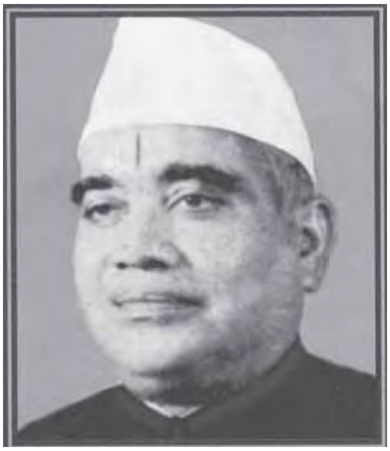

१९६२-१९६६

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. गजाधर सोमानी

विवाहों में आज भी हम अपने वैभव का इतना प्रदर्शन करते हैं कि दूसरों की दृष्टि में हम खटकने लगते हैं। ..... पर्दाप्रथा से महिला समाज को छुटकारा दिलाने में सम्मेलन ने बहुत बड़ा काम किया है और अब सामाजिक चेतना का इसमें संचार करना समाज के लिए आवश्यक हो गया है। .... दहेज की बढ़ती हुई बीमारी क्षय रोग की तरह हमारे गृहस्थ जीवन का विनाश कर रही है और महिलाओं की प्रतिष्ठा के तो यह सर्वथा प्रतिकूल है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९६६-१९७४

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामेश्वरलाल टांटिया

हमारे समाज में अपव्यय और धन के प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जो न तो स्वस्थ है और न ही वांछनीय। मितव्ययिता और सादगी हमारे पूर्वजों का मुख्य गुण रहा है और इसी के बल पर हम विभिन्न अंचलों में प्रगति कर सके। इन अनर्गल प्रदर्शनों के कारण स्थानीय लोगों में हमारे प्रति रोष और द्वेष की भावना बढ़ती जा रही है। यदि समय रहते हम नहीं चेते तो इसकी भयंकर प्रतिक्रिया होगी।

१९७४-१९७६ एवं १९७६-७९

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. भंवरमल सिंघी

वास्तव में मारवाड़ी समाज ने व्यवसाय एवं संपत्ति संग्रह को ही सम्पूर्ण लक्ष्य बनाकर अपने जीवन को जिस तरह ढ़ाल लिया, उससे वह अपने मूल राजस्थानी स्वरूप से विलग हो गया। अब तो राजस्थान में रहनेवाले लोग भी और बाहर जाकर शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति आदि क्षेत्रों में काम करने वाले राजस्थानी विद्वान और विचारक भी अपने को मारवाड़ियों में शामिल करने या इस रूप में ही परिचय कराये जाने में संकोच का अनुभव करते हैं। इसलिये आज अधिकांश लोगों की नजरों में मारवाड़ी जाति राजस्थानी नहीं व्यावसायी जाति के रूप में ही परिचित होती है।

१९७९-१९८२

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार

भारतीय परम्परा त्याग, बलिदान, सेवा एवं प्रेम पर आधारित रही है। हमने इतिहास में उन लोगों की पूजा की है जिन्होंने अपने स्वार्थ को परहित के सामने गौण समझा है। हमारे पूर्वजों की इस धरोहर को अक्षुण्ण रखते हुए सर्वांगीण विकास करना है। कोई चीज पुरानी होने से ही त्याज्य नहीं हो जाती बल्कि उसका सही मूल्यांकन कर हमें एक स्वस्थ समाज की रचना करती है। लेकिन जिन मूल्यों एवं मानदण्ड के आधार पर आज हमने प्रगति की और अपनी एक विशिष्ट पहचान पायी है उनमें इधर कुछ कमी आयी है। इसका असर पूरे समाज पर पड़ा है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९८२-१९८६, ९३-९७ एवं ९७-२००१

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. नन्दकिशोर जालान

उच्च शिक्षित, विवाहित युवकों द्वारा किसी भी बहाने पत्नी को छोड़ने की समस्या, तलाकशुदा स्त्रियों एवं विधवाओं से विवाह के प्रति युवक-मानस की कुंठा, विगत धंधों से निष्कासित हजारों परिवारों के लिए नये व्यवसाय की खोज, धार्मिक अंधविश्वास में आज भी लाखों रूपयों को स्वाहा होने से रोकना एवं देश की विभिन्न नीतियों में आ रहे परिवर्तन के प्रति आवश्यक सजगता व संवेदना की कमी, सुरसा के मुँह की तरह बढ़ रहे दहेज व प्रदर्शन की क्षुधा जिसमें युवक समुदाय की शै कम होने के बदले बढ़ती लगती है, आदि अनेक ऐसे प्रश्न हैं जिससे समाज को जुझना है। और इस कार्य के लिए सम्मेलन जैसी संस्था की उपयोगिता और आवश्यकता स्वयं उद्घोषित है।

१९८६-१९८९

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री हरिशंकर सिंघानिया

सम्मेलन के मंच से बराबर सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के विरुद्ध प्रस्ताव पास किये जाते रहे हैं, लेकिन समस्याएँ कहीं कम हुई हैं तो कहीं और बढ़ गई हैं। फिजूलखर्ची और दहेज की समस्या विवाह-संस्कार आदि के कार्यक्रमों में दानवी रूप लेती जा रही है। हमें स्वयं आत्म-चिन्तन करके इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए एवं अन्य समाजों के समक्ष उदाहरण रखना चाहिए, तभी निम्न और मध्यवर्ग का मारवाड़ी भाई अपनी प्रतिष्ठा बचा सकेगा।

१९८९-१९८९

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामकृष्ण सरावगी

जो सामाजिक संस्थाएँ सुधार आन्दोलनों की आवश्यकता नहीं समझतीं, वे संस्थायें कभी भी जीवित नहीं रह सकतीं और जो कार्यकर्त्ता सामाजिक सुधारों को अपने जीवन में नहीं उतार सकते, वे न तो समाज को नेतृत्व दे सकते हैं और न उनके प्रति श्रद्धा और आदर हो सकता है। कथनी और करनी का अन्तर मिटाने का कार्य कार्यकर्त्ता को स्वयं से शुरु करना पड़ता है और तब समाज उसके उदाहरण से सीख लेता है। यह सही है कि सामाजिक कार्यकर्त्ता बनना निस्संदेह बड़ा कठिन है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९८९-१९९३

भूतपूर्व अध्यक्ष (कार्यवाहक) स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी

किसी भी समाज की मातृभाषा का प्रश्न उसकी अस्मिता से जुड़ा होता है। राजस्थानी भाषा के अस्तित्व की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हम प्रत्येक स्तर से उसे प्रोत्साहन दें। मेरा तात्पर्य मात्र धन की मदद से नहीं, बल्कि अपने घरों में, हमभाषी लोगों के साथ अपनी भाषा के प्रयोग से भी है।... सम्मेलन वर्तमान में विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है। इसे पुर्नप्रतिष्ठित करने के लिए सबसे आवश्यक है संगठन की सुदृढ़ता। प्रत्येक प्रांत, प्रमंडल, जिला और गाँव-गाँव को सम्मेलन से जोड़ना हमारी पहली प्राथमिकता है।

२००१-०४ एवं २००४-०६

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान

देश में ही नहीं, विदेशों में भी हमारे समाज की विशिष्ट पहचान पीछे है हमारे पूर्वजों की अथक परिश्रम एवं दूरगामी सोच। समय के साथ समाज ने बाल-विवाह, पर्दा-प्रथा, महिलाओं की अशिक्षा, दहेज प्रथा आदि कई कुरीतियों को पीछे छोड़ दिया है। कल तक चहारदीवारी में कैद औरत आज व्यापार, कला, संस्कृति, साहित्य, समाजसेवा, खेलकूद, राष्ट्रविकास तथा अन्य कई क्षेत्रों में अपना उल्लेखनीय योगदान और हमारी भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करने का भी काम कर रही है।

२००६-२००८

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा

भारत का गणतंत्र एक बड़ी उपलब्धि है। हमने गणतंत्र को बचाकर रखा यह संतोष का विषय है किन्तु हम इसे गर्व का विषय नहीं बना पाये हैं। आज देश निराशा के दौर से गुजर रहा है। जनता की राजनीति और राजनेताओं में आस्था घटी है। यह चिंतनीय विषय है क्योंकि हमारे पास गणतंत्र का कोई विकल्प नहीं है और राजनीतिक दल एवं राजनेता गणतंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं।... राजनैतिक चेतना समय की माँग एवं हमारा कर्त्तव्य दोनों है। यह अनिवार्य है कि हम गणतांत्रिक प्रणाली का स्वयं भी हिस्सा बनें एवं अपने साथवालों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

२००८-२०१०

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा

आर्थिक वैश्वीकरण एवं प्रतिस्पर्द्धा के वर्त्तमान युग में समाज को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विश्व एक छोटे से गाँव का रूप ले रहा है। ज्ञान एवं विज्ञान का महत्व आज प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोपरि है। मारवाड़ी समाज को उच्चतम तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर अपनी सर्वश्रेष्ठता को कायम रखना है। समाज ने व्यापार-उद्योग के अलावा शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, खेल, ज्ञान-विज्ञान सभी क्षेत्रों में नयी उपलब्धियाँ हासिल कर समाज की नयी तस्वीर को उजागर किया है। ...उच्च शिक्षा, देशी अथवा विदेशी महंगी होती जा रही है। मारवाड़ी सम्मेलन ने इस क्षेत्र में पहल की है जिससे कोई भी मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्रा अर्थाभाव में उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रह सके।

२०१०-२०१३

भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से युवा वर्ग की सोच कि 'मुझे क्या लेना-देना?' या 'मुझे इससे क्या लाभ?' में बदलाव आवश्यक है। मारवाड़ी समाज के नवसृजन एवं विकासोन्मुखी कार्यक्रमों में युवाशक्ति को और अधिक दायित्व लेना जरूरी है। अवांछित एवं अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के कारण न केवल फिजूलखर्ची को बढ़ावा मिल रहा है अपितु आडम्बर एवं मिथ्या-प्रदर्शन से हमारा समाज इतर समाजों की आलोचना का हास्यास्पद पात्र बन गया है। देश की प्रगति के लिये हमें राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करते हुए सही नेता का चयन करना चाहिए।

२०१३-२०१६

पूर्व अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार

सम्मेलन प्रांतों में बसता है। सम्मेलन के संगठन को अपेक्षित विस्तार देने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी प्रांतीय मुख्यालयों के साथ-साथ, नगर-ग्राम शाखाओं तक का यथासम्भव दौरा करें, हर स्तर पर विचारों का परस्पर आदान-प्रदान हो, स्थानीय स्तर पर समाज की समस्याओं के विषय में जानकारी हो, और समाज के जन-जन को सम्मेलन के साथ जोड़ने का हर प्रयत्न हो। यह सम्मेलन के संगठन-विस्तार, सिद्धांतों एवं विचारों के प्रसार तथा हमारी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए रामबाण सिद्ध होगा। हमारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिला एवं युवा अनिवार्य कड़ियाँ हैं। इनकी सहभागिता से ही हम अपने कार्यक्रमों को गति दे पायेंगे और इच्छित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन के कार्यक्रमों में इनकी सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा कर्त्तव्य।

A.P
ANU®
SAREES

With Best Compliments from:

DINODIYA WELFARE TRUST

4A, NewRoad, Alipore
Kolkata-700027

With Best Compliments From :

Krishi Rasayan Exports Pvt. Ltd.

29, Elgin Road, Kolkata-700 020

Mobile : 98300 65921

Email : kr@krishirasayan.com

With Best Compliments from:
ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.
Head Office:
1, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700069
Phone: 22103480, 22103485
Fax: 22319221
Email: roadcargo@vsnl.net
Branches & Associates:
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

पटना में अखिल भारतीय समिति की बैठक

संगठन मजबूत करने में सभी का सहयोग आवश्यक

– प्रह्लाद राय अगरवाला

वर्तमान सत्र के नवगठित अखिल भारतीय समिति की प्रथम बैठक बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पटना नगर शाखा के आतिथ्य में रविवार, ११ दिसम्बर, २०१६ को पटना के बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में आयोजित की गयी। सर्वप्रथम बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला एवं पटना नगर शाखा की ओर से संयोजक सुरेश अगरवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों व सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय गान के साथ सभा की कार्यवाही प्रारम्भ हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने विगत अखिल भारतीय समिति की कार्यवाही का विवरण पेश किया, जिसे सभा ने स्वीकृत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रति सभा के आतिथ्य प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। श्री अगरवाला ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार को बिहार में शराबबंदी लागु करने पर बधाई दी। उन्होंने सम्मेलन के संगठन को मजबूत करने के लिये सभा के सहयोग पर जोर दिया तथा विगत अखिल भारतीय समिति के पश्चात् अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों पर महामंत्री की रपट पढ़कर सुनायी।

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल ने सुझाव दिया कि महामंत्री ही रपट में प्रांतो की गतिविधियाँ भी शामिल होनी चाहिये।

निवर्तमान बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पवन सुरेका के सुझाव पर सभी उपस्थित सदस्यों ने परिचय दिया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी ने वर्ष २०१५-१६ की आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। अप्रैल २०१६ से ३० नवम्बर २०१६ की आय-व्यय की स्थिति का विवरण भी दिया। उन्होंने सभा को 'समाज विकास' में विज्ञापन के लिए सभी से अनुरोध किया।

सर्वप्रथम पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने विषय पर बोलते हुए निम्नलिखित सुझाव दिये –

- सभी प्रांत अपने-अपने प्रांतो में सभी शाखाओं का पता एवं मोबाइल नम्बर सहित विवरण प्रस्तुत करें।
- प्रांत त्रैमासिक रपट अवश्य भेजें।
- केन्द्र प्रांतो को प्रस्ताविक कार्यक्रम का विवरण भेजें।
- समाज विकास को मजबूत करें।
- २५ दिसम्बर को स्थापना दिवस के अवसर पर देशव्यापी कार्यक्रम होने चाहिए।
- प्रांतो एवं राष्ट्रीय वर्तमान एवं पूर्व अधिकारियों को वर्ष में एक बार मिलना चाहिए। इससे व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे, जिसकी अत्यंत आवश्यकता है।
- प्रांतो को आर्थिक रूप से मजबूत करने की आवश्यकता है।
- राजनैतिक चेतना पर कार्य होने चाहिये।
- विमुद्रीकरण पर चर्चा होनी चाहिये।

- सभी स्तर पर स्थानीय पत्रकारों से सम्पर्क स्थापित होना चाहिए। समय समय पर विज्ञप्ति जारी किया जाना चाहिए।
- हर राज्य में वर्तमान सत्र का नारा - 'संगठित समाज-सशक्त आवाज' पर काम होना चाहिए।
- सभी प्रांतो का अपना भवन होना चाहिए।

श्री विनोद तोदी जी ने कहा कि बिहार प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का अपना कार्यालय है। शाखा एवं सदस्यों की सूची उपलब्ध है। डायरेक्टरी पर कार्य हो रहा है। उन्होंने समाज विकास नियमित रूप से नहीं मिलने की बात कहीं। उन्होंने बताया कि बिहार में आडम्बर निवारण के लगातार कार्य हो रहे हैं। राजनैतिक चेतना पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बिहार प्रदेश द्वारा आरम्भ किये एक सेवा के बारे में बताया, जिसके अन्तर्गत पटना में किसी भी समाज बंधु को जरूरत हो तो प्रांतीय पदाधिकारियों से सम्पर्क करके सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सम्मेलन को समाज के दुःख दर्द के साथ जुड़ना चाहिए।

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोवर्धन जी गाड़ोदिया ने कहा कि समाज सुधार के साथ निर्माण की ओर भी ध्यान देने की नितांत आवश्यकता है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री पवन सुरेका ने नई पीढ़ी को सम्मेलन से जोड़ने की बात कही। युवा पीढ़ी की मानसिकता को समझते हुए हमारी मानसिकता में आवश्यक परिवर्तन करते हुए उन्हें जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। राजनैतिक चेतना के विषय में उन्होंने कहा कि समाज बंधुओं की संख्या के बल पर हम राजनीति में जगह नहीं बना सकते।

श्री कैलाश झुनझुनवाला ने कहा कि बैठक में सिर्फ चर्चा नहीं, प्रस्ताव पारित होने चाहिए। विगत सभा की कार्यवाही के विवरण के साथ Action Taken Report भी प्रस्तुत की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सारे राज्यों से समाज के विधायकों एवं सांसदों को एक साथ कोलकाता या अन्य किसी शहर में आमंत्रित कर उनका सम्मान करना चाहिए।

श्री प्रदीप जीवराजका ने सुझाव दिया कि शराबबंदी एवं दखावा समाज के लिए ज्वलंत मुद्दे है। शराबबंदी के साथ हमें विमुद्रीकरण एवं जी.एस.टी. पर भी चर्चा करनी चाहिए। अगले वर्ष के लिए अभी से हमे नीति तय करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामपाल अग्रवाल नूतन ने कहा कि युवा मंच के साथ गठित समन्वय समिति को सक्रिय करने की आवश्यकता है। समाज के विधायक/सांसद का ही नहीं समाज के जो व्यक्ति राजनीति में सक्रिय हैं उनका भी सम्मान होना चाहिए। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती मीना गुप्ता ने भी महिला सम्मेलन का पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हममें एकता होनी चाहिए।

श्री महेश जालान ने कहा कि हमें नई तकनीक का पूरा लाभ उठाना चाहिए। समाज विकास को वेबसाइट एवं वाट्सअप के द्वारा सदस्यों को पहुँचाया जाना चाहिए।

श्री जुगल अग्रवाल ने सुझाव दिया कि आडम्बर एवं दिखावा के विषय में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे स्वयं अपने समारोहों में आडम्बर एवं दिखावा को प्रश्रय नहीं देंगे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने कहा कि सम्मेलन की बैठकों को दो सत्र में विभाजित किया जाये। पहले सत्र में सदस्यों को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए तथा दूसरे सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारी अपनी बात रखें।

श्रीमती पुष्पा चोपड़ा ने कहा कि आज हम जुड़ने की बजाय बिखर रहे हैं। हमें समाज को जोड़ने की बात करनी चाहिए तथा उसी पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। संगठन पर जोर दिया जाना चाहिए। युवा मंच तथा महिला सम्मेलन के साथ दो दिवसीय बैठक बुलाकर विस्तृत चर्चा की जानी चाहिए।

झारखण्ड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री बसंत मित्तल ने प्रान्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि २४ में से २२ जिलों में चुनाव सम्पन्न होकर कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गाड़ोदियाजी ने अब तक २० जिले का दौरा पूरा कर लिया है।

फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने कहा कि राष्ट्रीय सम्मेलन पर समाज विकास पत्रिका सभी सदस्यों को भेजने के कारण काफी आर्थिक भार आ रहा है। उन्होंने आजीवन सदस्यता शुल्क २५०० से बढ़ाकर १० हजार रुपये किये जाने का प्रस्ताव दिया।

श्री प्रमोद जैन ने कहा कि आजीवन सदस्यों से कुछ वार्षिक शुल्क भी लिया जाना चाहिए।

श्री विष्णु खेतान ने कहा कि अभी तक युवा मंच या सम्मेलन ने ऐसा कोई मॉडल पेश नहीं किया है कि उनके पदाधिकारियों ने विवाह में कोई आडम्बर नहीं किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि हमें नकारात्मक न सोचकर सकारात्मक दिशा में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के बैनर तले आये अनेक लोगों ने विवाह आदि में सुधारवादी कदम उठाये हैं। इन्हें 'समाज विकास' में प्रकाशित भी किया गया है। हमें कुछ भी बोलने से पहले सारी जानकारी होनी चाहिए।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका ने झारखण्ड प्रान्त से अखिल भारतीय समिति के रिक्त सदस्यों को भरने हेतु आये प्रस्ताव को अनुमोदन हेतु रखा, जिसे सवर्सम्मति से स्वीकृत किया गया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश प्रान्त की निष्क्रियता तथा प्रान्त को विघटित किये जाने सम्बन्धी राष्ट्रीय संविधान की धारा १०(२) तथा ८(अ)३ के अन्तर्गत लिये गये राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के निर्णय से सभी को अवगत कराते हुए इस निर्णय को स्वीकृति हेतु सदस्यों के समझ रखा। श्री विनोद तोदी ने प्रस्ताव का समर्थन किया। झारखण्ड प्रान्त के महामंत्री श्री बसंत मित्तल ने अनुमोदन किया।

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ।

श्री बसंत मित्तल ने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को सभा के आतिथ्य एवं सुंदर व्यवस्था के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

With Best Compliments From :

JAI BHARAT COMMERCIAL CORPORATION

23 / 24, Radha Bazar Street,
3rd Floor, Kolkata – 700 001

Phones : 033-2242-5889/7995

Email : jbccsonthalia@gmail.com, jbccsonthalia@yahoo.com

-: Suppliers of :-
M.S. / E.R.W. / G.I. / P.V.C. / A.C. Pressure Pipes, C.I. Pipes, Specials, Joints and Pot Water Filter and also laying of all Pipes.

-: Turnkeys :-
Electro Chlorinator, Water Flow Meter, Iron Elimination Plant etc.

With Best Compliments From :

M/s. Traco Enterprises

9/2, Metro Towers, 9th Floor
1, Ho-Chi-Minh Sarani
Kolkata-700071
Email: tracoenterprises@gmail.com

प्रांतीय समाचार

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन

महामंत्री का प्रतिवेदन

– बसंत कुमार मित्तल
प्रान्तीय महामंत्री

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के इस सत्र (२०१५-१७) के उतरार्द्ध, अप्रैल २०१६ के बाद के कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।

राजस्थान दिवस (३० मार्च) के उपलक्ष्य में ३ अप्रैल २०१६ को राँची के वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों को सहभोज करवाया गया एवं फल वितरित किये गये। राजस्थान दिवस के अवसर पर ही पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जमशेदपुर में एक वृहद् सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें झारखण्ड के माननीय मंत्री श्री सरयु राय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा श्याम बाबा के महोत्सव हेतु टाटानगर से जयपुर (खाटूधाम) तक एक विशेष रेलगाड़ी चलाई गई, जिसको हमारे प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी ने हरी झण्डी दिखाकर टाटा से रवाना किया।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की महिला समिति द्वारा गणगौर उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें झारखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास जी की धर्मपत्नी श्रीमती रुकमणी देवी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुई।

झारखण्ड प्रांत के सभी २४ जिलों में जिला अध्यक्षों का निर्वाचन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। लगभग १०० शाखाओं के पुनर्गठन का कार्य जारी है।

सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक रविवार, दिनांक २९ मई २०१६ को श्री दिगम्बर जैन भवन में सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने की। बैठक में सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी बैठक में झारखण्ड संघ लोक सेवा आयोग में चयनित समाज के चार युवाओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य श्री महेश पोद्दार झारखण्ड से राज्यसभा के लिये निर्वाचित हुए हैं। श्री पोद्दार जी का सामाजिक अभिनंदन झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया की अध्यक्षता में राँची स्थित मारवाड़ी समाज की सभी ३५ सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा ११ जुलाई २०१६ को सम्मेलन कार्यालय मारवाड़ी भवन परिसर में किया गया। श्री पोद्दार ने समाज के लिये सदैव सुलभ रहने की बात कही एवं समाज के युवाओं का राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये आह्वान किया।

इस अवसर पर श्री विनोद कुमार जैन द्वारा सम्पादित 'समाज संकल्प' के पंचम अंक का विमोचन माननीय सांसद श्री महेश पोद्दार जी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

स्वतंत्रता की ७०वीं वर्षगाँठ सोमवार १५ अगस्त २०१६ को प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया द्वारा सम्मेलन के मुख्यालय मारवाड़ी भवन परिसर के प्रांगण में झण्डोत्तोलन किया गया।

हजारीबाग प्रमंडल का प्रमण्डलीय अधिवेशन २१ अगस्त को हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में श्री दिगम्बर जैन भवन में आयोजित किया गया। अधिवेशन की अध्यक्षता प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष श्री प्रताप जैन ने की। अधिवेशन का उद्घाटन प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

यहीं झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक श्री गाड़ोदिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संविधान संशोधन समिति के संयोजक श्री रतनलाल बंका ने अब तक किये नये कार्यों के विषय में विस्तार से बताया और कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संविधान के अनुरूप झारखण्ड के संविधान का प्रारूप तैयार हो गया है, जिसे शीघ्र ही प्रांतीय कार्यकारिणी एवं प्रांतीय समिति से पारित करवाकर रजिस्ट्रार झारखण्ड सरकार के यहाँ प्रस्तुत किया जायेगा। उपस्थित सदस्यों ने सदस्यता विस्तार पर संतोष व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम को और ज्यादा गति देने पर बल दिया। इस दौरान हजारीबाग, कोडरमा एवं रामगढ़ से बने नये सदस्यों को प्रांतीय महामंत्री श्री मित्तल द्वारा सम्मेलन का पिन लगाकर सम्मानित किया गया।

प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री भागचंद पोद्दार के संयोजकत्व में प्रांतीय पंचायत समिति की घोषणा की। इसके अन्य सदस्य हैं: श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया, श्री विनय सरावगी, श्री राजकुमार केडिया, श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल (हजारीबाग) श्री विद्याधर

शर्मा, श्री पवन मंत्री, श्री धर्मचंद जैन रारा, श्री भंवरलाल खंडेलवाल (जमशेदपुर) श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया (प्रांतीय अध्यक्ष), श्री बसंत कुमार मित्तल (प्रांतीय महामंत्री)।

इसके अतिरिक्त एक सलाहकार मण्डल का गठन किया गया है। जिसके सदस्य हैंः– श्री नंदलाल रुँगटा, (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), न्यायमूर्ति श्री रमेश कुमार मेरठिया, श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया (पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष), श्री विनोद पोद्दार (महाधिवक्ता, झारखण्ड सरकार)।

देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने १ अक्टूबर २०१६ को देवघर में अग्रसेन जयन्ती का आयोजन किया जिसमें श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया, श्री अभय सर्राफ, श्री प्रेम कुमार अग्रवाल, श्री प्रदीप बाजला सहित अनेक लोगों ने भाग लिया।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के दिन, जमशेदपुर में, हृदय रोगियों के लिये चिकित्सा एवं निदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें जिला अध्यक्ष श्री उमेश शाह, जिला मंत्री श्री पवन अग्रवाल के अलावा समाज के गणमान्य बन्धुओं की सहभागिता रही।

रॉची, पूर्वी सिंहभूम (टाटा) लोहरदगा, संथाल परगना एवं झारखण्ड के कई जिलों में पर्यावरण की रक्षा के लिये वृक्षारोपण किया गया। पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा हरिद्रनारायण भोज एवं बच्चों के बीच किताबों का वितरण किया एवं सभी जगह रथ यात्रा मेला में सेवा शिविर लगाये गये।

२३ सितम्बर २०१६ को झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं राँची जिला के संयुक्त तत्वावधान में बीकानेर (राजस्थान) से सांसद केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल का श्री दिगम्बर जैन भवन के सभागार में भव्य अभिनंदन किया गया। सभा की अध्यक्षता श्री गाड़ोदिया जी ने एवं संचालन श्री विनय सरावगी, श्री रविशंकर शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन बसंत कुमार मित्तल ने किया इस अभिनंदन समारोह में राँची की ३३ सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं ने भाग लिया। अभिनंदन समारोह मायड़ भाषा (राजस्थानी) में संचालित किया गया। मंत्री महोदय ने बताया कि शीघ्र ही राजस्थानी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हो जायेगी।

प्रान्तीय सम्मेलन की गृह-पत्रिका 'समाज-संकल्प' के छठवें अंक का विमोचन १८ नवम्बर २०१६ को न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रान्तीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने आगत सदस्यों का स्वागत किया।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन तथा जुगसलाई शाखा द्वारा जरुरतमंद लोगों में गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। जिला सम्मेलन द्वारा अगले सप्ताह पुनः गर्म कपड़ों के वितरण की योजना है।

सम्मेलन की धनबाद जिला शाखा द्वारा निर्मला कुष्ठ अस्पताल एवं अनाथ आश्रम में कुष्ठ रोगियों के बीच २५० स्कूल बैग, बिस्कुट, मिक्सचर, टाफी आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर सर्वश्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्याम सुंदर डोकानिया, रुप किशोर अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, मीना देवी डोकानिया, श्रुति डोकानिया, प्रदीप अग्रवाल, संजय अग्रवाल उपस्थित थे।

संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु इस सत्र में अभी तक एक विशिष्ट संरक्षक पाँच संरक्षक सदस्य ३६३ आजीवन सदस्य एवं १४ साधारण सदस्य बनाये गये है। पूरे प्रांत में सदस्यता वृद्धि का प्रयास निरन्तर जारी हैं जिसमें सम्मेलन के पूर्व प्रान्तीय अध्यक्षों एवं सभी पदाधिकारियों एवं जिलों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। सम्मेलन को अधिक सक्रिय बनाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

जोरहाट शाखा का दीपावली मिलन समारोह

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा गत् ३१ अक्टुबर, २०१६, को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही धूमधाम और अति उत्साह के साथ श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रांगन में किया गया।

इस वर्ष पंजाब के देशभक्त विश्वविद्यालय से डाक्टरेट् की मानक उपाधि पाने पर हमारे पूर्व अध्यक्ष तथा जाने माने शिक्षाविद, उद्योगपति तथा समाजसेवी श्री मुरलीधर खेतान का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। श्री खेतान का सम्मान समाज की तरफ से पं. तनसुखजी शर्मा तथा अध्यक्ष बाबुलाल गगड़ द्वारा पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी पहना कर किया गया तथा प्रान्तीय मंडलीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा मंत्री अनिल केजड़ीवाल द्वारा पठन किया गया।

इस समारोह की विशेष उपलब्धि मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका **अवलोकन** का लोकार्पण रही। यह पत्रिका अनिल केजड़ीवाल के संपादन में शंभुदयाल शर्मा के सहयोग से प्रकाशित की गई।

इसी के साथ अपने राष्ट्रीय दायित्व को समझते हुए एक दीप भारत माता के नाम प्रज्वलित कर शहीदों को पुष्पांजली अर्पण किया गया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
राष्ट्रीय अधिवेशन पश्चात् के क्रियाकलाप

– जगदीश गोलपुरिया
प्रान्तीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस २५ दिसम्बर को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाखाओं द्वारा बुजुर्ग नागरिक सम्मान दिवस के रूप में पालन करने का निर्णय लिया गया है। अप्रैल २०१६ के पश्चात शाखाओं द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी आपके सामने प्रस्तुत कर रहे है।

- **राज्य कार्यकारिणी सभा का आयोजन**:- दि. २६ जुन २०१६ को ढ़ेकानाल शाखा के आतिथ्य में इस सत्र की द्वितीय राज्य कार्यकारिणी सभा सफलतापूर्वक आयोजित हुई। इस सभा में पूरे उत्कल प्रान्त से ७८ प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज करवाई।
- **शिक्षा विकास ट्रस्ट एवं प्रान्तीय मुखपत्र झलक का प्रकाशन**:- उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में शिक्षा विकास ट्रस्ट का सुचारू रूप से संचालन। जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। प्रान्तीय मुखपत्र झलक का प्रकाशन समयानुसार निरन्तर जारी है।
- **शाखाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम**:-

i) होली मिलन उत्सव रूपरारोड़, झारसुगुड़ा, टिटिलागड़, बरगड़ और बलांगीर शाखाओं द्वारा पालन किया गया।

ii) झारसुगुड़ा शाखा द्वारा आपोलो हॉस्पिटल के साथ मिलके एक वृहत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सा के साथ-साथ रक्त परिक्षण एवं अन्य जाँच भी निशुल्क किये गये।

iii) सम्बलपुर शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती का पालन किया गया।

iv) लोककवि श्री हलधर नागजी का सम्मान कांटाभांजी, बलांगीर एवं बरगड़ शाखा द्वारा किया गया।

v) कटक एवं झारसुगुड़ा शाखा द्वारा स्थायी एवं अस्थायी प्याऊ का लोकार्पण। कटक शाखा द्वारा पशु पेयजल सेवा प्रदान।

vi) बलांगीर एवं झारसुगुड़ा शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

vii) पवित्र शीतल षष्ठी के दौरान बलांगीर शाखा द्वारा अन्न एवं जल वितरण किया गया।

viii) भुवनेश्वर शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन।

ix) पवित्र श्रावण माहीने में टिटिलागड़, कटक शाखा द्वारा कावरियाँ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। टिटिलागढ़ शाखा द्वारा शहर के समाजबन्धुओं के साथ वन भोज का आयोजन।

x) पाइकमाल शाखा में युवा मंच द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में सहयोग एवम् भागीदारी।

xi) कटक, नुआपाड़ा एवं बरगड़ शाखा द्वारा सावाधीनता दिवस का पालन किया गया।

xii) नेत्र दान पर रैली में सहभागिता :- मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित नेत्रदान रैली में सहभागिता करने वाली शाखाएँ हैं - लोईसींहा, झारसुगुड़ा, सम्बलपुर एवं बरगड़।

xiii) केसींगा शाखा द्वारा, रायपुर के MMI हॉस्पिटल के साथ मिलकर एक वृहत् निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ३०० से अधिक रोगियों का परीक्षण किया गया।

xiv) बिनका शाखा द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

xv) श्री अग्रसेन जयन्ती समारोह पालन में भूमिका निर्वाह करने वाली शाखाएँ हैः- बरपाली, सोहेला, पद्‌मपुर, पाइकमाल, झारबंध, नुआपाड़ा, खरियार रोड़, कांटाबांजी, आगरपुर, बिनका, रेंगाली, झारसुगुड़ा, टिटिलागड़, कुचिन्डा, भवानीपटना, धरमगढ़, बलांगीर, रूपरारोड़, पटनागढ़, सिंधिकेला, करंजीया, बोंगुमुन्डा।

xvi) इस वर्ष श्री अग्रसेन जयन्ती समारोह के पालन में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा अनेक शाखाओं में अतिथि के रूप में योगदान किया तथा मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट तथा सम्मेलन के द्वारा चलाए जा

रहे कार्यक्रमों के विषय मे सूचना प्रदान किया।

प्रान्तीय पदाधिकारियों द्वारा श्री अग्रसेन जयन्ती समारोह मे विभिन्न शाखाओं में योगदानः-

१) श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल - कांटाबांजी, कुचिन्डा, सिंधिकेला
२) श्री नकुल अग्रवाल - भवानी पटना
३) श्री जगदीश गोलपुरीया - कांटाबांजी, सोहेला, लाऊमुण्डा
४) श्री जयप्रकाश लाठ - बिनका, कुचिन्डा
५) श्री जितेन्द्र गुप्ता - टिटिलागड़
६) श्री गोरीशंकर अग्रवाल - भवानीपटना, सिंधिकेला
७) श्री मनोज जैन - झारबंध, पदमपुर
८) श्री मुरली शर्मा - बलांगीर, सोहेला
९) श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल - पाइकमाल
१०) श्री विष्णु केड़िया - नुआपाड़ा
११) श्री नारायण मोदि - रेंगाली
१२) श्री अशोक जालान - रूपरारोड़, केसिंगा
१३) श्री संतोष पारिख - बरपाली
१४) श्री अशोक कुमार अग्रवाल - कांटाबांजी

xvii) दीपावली बन्धु मिलन कार्यक्रम का आयोजन करने वाली शाखाएँ हैः- बिरमित्रापुर, तुषरा, कांटाबांजी, कटक।

● **प्रान्तीय कार्यक्रमों का आयोजनः-**

क) महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजनः- २८ फरवरी २०१६ को रायगड़ा शाखा में आयोजित राज्य परिषद सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार उत्कल प्रान्त की जिन शाखाओं ने इसका पालन किया वे हैं : रूपरारोड़, बलांगीर, पाइकमाल, सोहेला एवं टिटिलागड़।

ख) बरगड़ शाखा द्वारा "गाँव की ओर चलो" कार्यक्रम के अन्तर्गत हिरोमुण्डा के जलाशय में घाट निर्माण तथा अन्य कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इसमें श्रीमती स्नेहांगीनी छुरिया, राज्यमंत्री, ओडिशा सरकार का विशेष सहयोग रहा।

ग) ढेकालान शाखा में आयोजित राज्य कार्यकारिणी सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन करने वाली शाखाएँ हैं:- खरियार रोड़, कुचिन्डा, टिटिलागड़, सम्बलपुर, अनुगुल, बरगड़, झाररसुगुड़ा, बरबिल, लोईसिघां एवं केन्दुझर।

घ) काँटाभान्जी शाखा द्वारा श्री अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का वृहत् आयोजन किया गया।

● **राज्य परिषद सभा का आयोजन**:- दि. १२.११.२०१६ को बलांगीर शाखा के आतिथ्य में इस सत्र की द्वितीय राज्यपरिषद सभा का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सभा में मुख्य अतिथि नेता विपक्ष उड़िशा सरकार श्री नरसिंह मिश्र के आह्वान पर बलांगीर शाखा द्वारा ग्राम्यगोद के अंतर्गत नारायणपुर ग्राम को गोद लेने की घोषणा शाखा अध्यक्ष श्री गोपीनाथ जी अग्रवाल ने किया।

जय हिन्द! जय समाज!!

With Best Compliments From :

Anzen Exports & Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

Dealer : Importer, Exporter, Indenting Agent for All kinds of Active pharmaceutical Ingredients, Phytochemicals, Herbal Extracts & Essential Oils

KOLKATA

Regd. Office : 55/3D, Ballygunge Circular Road, Ground Floor, Kolkata-700 019, India

Admn. & Corres. Office : 157, Sarat Bose Road, 2nd Floor, Kolkata-700 026, India

Tel : 91-33-2465 9650/51, Fax : 91-33-2465 8159
Email : info@anzen.co.in, Web : www.anzen.co.in

MUMBAI

Shubham Pharmachem Pvt. Ltd.

205-206, Laxmi Plaza, Laxmi Industrial Estate New Link Road, Andheri (W) Mumbai : 400 053 (India)

Phone : 91-22-2635 4800 / 2635 4900
Fax : 91-22-6692 3929 / 2631 8808
Email : shubham@shubham.co.in

मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट, ओड़िशा

(उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, ओड़िशा का एक उद्यम)

शिक्षा सभ्यता एवं चरित्र के निर्माण की जननी होती है एवं जीवन के चतुर्मुखी विकास की ओर आगे बढ़ाती है। सर्वांगीण विकास के साथ साथ नई - नई खोज और मानवीय जीवन की संजीवनी का काम करती है। किसी भी देश की उन्नति एवं विकास उसकी शिक्षित जनसंख्या पर ही निर्भर करता है। पत्थर की शिला को तराशकर जैसे सुन्दर मूर्ति का सृजन किया जाता है उसी प्रकार शिक्षा मनुष्य को कल्पनाशील, बुद्धिवान, शानवान तथा सामर्थ्यवान बनाती है। हमारे समाज के उत्थान के लिए सामाजिक कुरीतियाँ, अन्धविश्वास, धार्मिक उन्माद, पुराने विचार, पारिवारिक अत्याचार आदि का उन्मूलन शिक्षा के उचित विकास से ही संभव है।

अच्छी शिक्षा के मायने भी बदल रहे हैं। पुराने जमाने की शिक्षा में चरित्र निर्माण पर जोर था, इसलिए अधिकतर धार्मिक और नीति संबधी शिक्षा दी जाती थी। आज शिक्षा का उद्देश्य मौलिक रूप से कैरियर निर्माण है, इसलिए शिक्षा में ज्ञान - विज्ञान तकनीक का अधिकाधिक समावेश हो गया है।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, ओड़िशा द्वारा हमारे समाज की छवि व उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को लिया गया जैसे कि शाखा विस्तार, अपनी पहचान (वेबसाईट), संविधान, शिक्षा कोष, स्वास्थ्य सेवा आदि। पुरी, भुवनेश्वर, बरगठ, राउरकेला आदि स्थलों पर हुई विभिन्न कार्यकारिणी एवं अन्य बैठकों में लिये गए निर्णयों के अनुसार मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट, ओड़िशा के रूप में एक शिक्षा कोष का गठन किया गया। समाज का कोई मेधावी लड़का या लड़की आर्थिक अभाव के लिए उचित शिक्षा से वंचित न रह जाए इसी उद्देश्य को मूल रूप से रखा गया। कई प्रकार की छात्र-वृत्तियाँ, आर्थिक सहायता, मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, ट्रेनिंग, छात्रावास, लाईब्रेरी एवं शैक्षिक संस्थाओं का पुनरुत्थान आदि कार्यक्रमों का प्रारूप भी इसमें लिया गया है। सहयोगियों द्वारा अपने पूर्वजनों, प्रियजनों की स्मृति में रनिंग स्कॉलरशिप आदि सेवाओं का भी प्रावधान है।

शिक्षा विकास ट्रस्ट में कम से कम ११ एवं अधिकतम ३१ ट्रस्टियों का ट्रस्ट बोर्ड बनाने की व्यवस्था है। इसमें से १० ट्रस्टी सिर्फ दान दाताओं के बीच से लिए जाएंगे। पहले ११ लोगों की एक ट्रस्ट बनाई गई थी। अब उसमें और लोगों को जोडा गया है। जरूरत मंद उपयुक्त पात्रों तक पहुँच कर शिक्षा सहायता का सामाजिक कार्य किया जा रहा है।

पिछले चार वर्षों में इस शिक्षा कोष से अपने समाज के तकरीबन ६० बच्चों को विभिन्न पढाई के लिये प्रति बच्चे ५००० से ६५००० तक की शिक्षा सहायता प्रदान की गई। कुल मिलाकर पिछले पाँच सालों में करीब ६५ दान दाताओं से २० लाख से अधिक की राशि प्राप्त हुई एवं ६० बच्चों को तकरीबन ९ लाख की शिक्षा सहायता प्रदान की गई। ११ लाख रूपये बैंक में फिक्स्ड डिपोजिट है।

इसी बीच ट्रस्टियों द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि सम्बलपुर में एक छात्रावास का निर्माण किया जाए ताकि सुदूर क्षेत्रों के समाज के छात्र छात्राएँ निःशुल्क वहाँ रह कर शिक्षा प्राप्त कर सकें। अगर कोई दान कर्ता एक उपयुक्त एवं अच्छे स्थान पर उचित भूमि प्रदान करे तो उसके नाम पर मारवाड़ी छात्रावास बनाया जा सकता है। जैसे ही भूमि मिल जाएगी छात्रावास का काम कार्य आगे बढाया जाएगा।

ई. अशोक कुमार जालान
मैनेजिंग ट्रस्टी, मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट, ओड़िशा

साधनों से नहीं, साधना से महान बनता है
भवनों से नही भावना से महान बनता है
उच्चारण से नहीं, उच्च आचरण से महान बनता है।

With Best Compliments From :

DEORAH SEVA NIDHI

CHARITABLE TRUST DEDICATED TO SERVICE

(Founder Trustee - Late S. L. Deorah)

13E-Rajanigandha

25, Ballygunge Park, Kolkata-700 019

मारवाड़ी सम्मेलन अब राष्ट्रीय भूमिका निभाये

– विनय सरावगी

१९३५ में मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना उस वक्त की सामाजिक परिस्थिति को ध्यान में रखकर की गयी थी। उस समय समाज के सामने परदा प्रथा, कम उम्र में विवाह, नारी शिक्षा का घोर अभाव एवं दहेज़ जैसी प्रमुख समस्याएँ थीं और इनका उन्मूलन मारवाड़ी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था।

अब इनमें से ज्यादातर सम्स्याएँ नहीं रहीं।

मुद्दों की कमी

अब, प्रश्न है कि मारवाड़ी सम्मेलन किन मुद्दों को लेकर आगे बढ़े। हमारा पूरा ध्यान वैवाहिक तथा अन्य समारोहों में धन के प्रदर्शन तथा दिखावे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने पर केंद्रित हो गया है। जैसे वैवाहिक समारोहों में व्यंजनों की संख्या कितनी हो, मिलनी में कागज़ के रुपये दिए जाएँ अथवा चाँदी के सिक्के या सोने की गिन्नी इत्यादि। ये मुद्दे भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं लेकिन इनका सम्बन्ध थोड़े से धनाढ्य लोगों से है। समाज का एक बड़ा वर्ग है जिसके पास न तो अनगिनत व्यंजन परोसने की क्षमता है और न मिलनी में चाँदी या सोने के सिक्के देने की। तो फिर पाँच या दस प्रतिशत लोगों के अनावश्यक प्रदर्शन को पूरे समाज की समस्या के रूप में क्यों पेश किया जाए?

मारवाड़ी सम्मेलन क्या करे!

समय आ गया है कि इस सवाल का उत्तर पूरी गंभीरता से तलाशने का काम किया जाए।

मेरी स्पष्ट राय है कि हमें अब मारवाड़ी समाज के दायरे से निकलकर एक स्पष्ट राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाने की जरुरत है। ऐसे कई कार्यक्रम हैं जिनमें मारवाड़ी सम्मेलन पुरजोर भूमिका निभा सकता है। उदाहरण के लिए, स्वच्छता अभियान को लिया जा सकता है। स्वच्छता भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और पुरातनकाल से ही इस पर जोर दिया जाता रहा है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में संचालित स्वतन्त्रता आंदोलन में भी स्वच्छता को प्रमुख स्थान दिया गया था। हाल के बर्षों में गंगा एवं अन्य पवित्र नदियों की साफ़-सफाई को राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में अपनाया गया है। गत दो वर्षों के दौरान स्वच्छता को एक राष्ट्रीय अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। क्या मारवाड़ी सम्मेलन को इस अभियान में सक्रिय रूप से भागीदार नहीं बनना चाहिए?

हमारे पास एक मजबूत संगठन है, अनेक राज्यों में प्रादेशिक इकाइयाँ हैं जिसकी पहुँच जिला और प्रखंड तक है। हम किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम में इनका बखूबी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक जागरूक व सक्षम समाज होने के नाते हमारा समाज के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति भी उतना ही, बल्कि उससे कहीं अधिक दायित्व है।

सरकारी योजनाओं का लाभ

वर्तमान में केंद्र सरकार व राज्य सरकारों की अनेक योजनाएँ हैं जिनका सम्बन्ध महिलाओं, वृद्धजनों, गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों तथा शारीरिक रूप से अक्षम लोगों से है। अपने समाज में भी ऐसे अनेक लोग हैं जो इनका लाभ उठा सकते हैं। लेकिन जानकारी की कमी और अन्य कारणों से वे इसका लाभ नहीं उठा पाते। मारवाड़ी सम्मेलन में राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर भी एक कोष होना चाहिए जो इन योजनाओं की अद्यतन जानकारी एकत्र कर जरूरतमंद व्यक्तियों की मदद कर सके।

सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा

मारवाड़ी समाज के समक्ष जो नयी चुनौतियाँ उपस्थित हुई हैं, उनमें प्रमुख है अपनी सांस्कृतिक विरासत और भाषा की रक्षा। नयी पीढ़ी में अपनी भाषा के प्रति विरक्ति का भाव देखने को मिल रहा है। संभवतः, इसका एक कारण उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाई और उसके बाद देश-विदेश की बड़ी कंपनियों के साथ जुड़ जाना है, जिनमें अंगरेजी का ही बोलबाला है। नयी पीढ़ी के युवक-युवतियों को घरेलू वातावरण में रहने का मौक़ा कम ही मिलता है। इस कारण, धीरे-धीरे अपनी भाषा और संस्कृति से वे कटते चले जाते हैं।

सोचना यह है कि इसका समाधान कैसे हो? हमें आखिर अपनी भाषा व संस्कृति को भी जीवित रखना है। इस सन्दर्भ में, हमें पूरी गंभीरता और लगन के साथ राजस्थानी भाषा को सांवैधानिक मान्यता दिलाने का प्रयास करना चाहिए। जब अपनी भाषा रोजी-रोटी के साथ जुड़ेगी, तभी इसके प्रति आकर्षण पैदा होगा।

जहाँ तक संस्कृति की बात है, राजस्थानी कला एवं साहित्य को हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मारवाड़ी सम्मेलन इस कार्य में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे निभानी चाहिए। यह काम कैसे हो, इस पर गम्भीरतापूर्वक विचार-विमर्श कर एक व्यावहारिक योजना बनाने की आवश्यकता है।

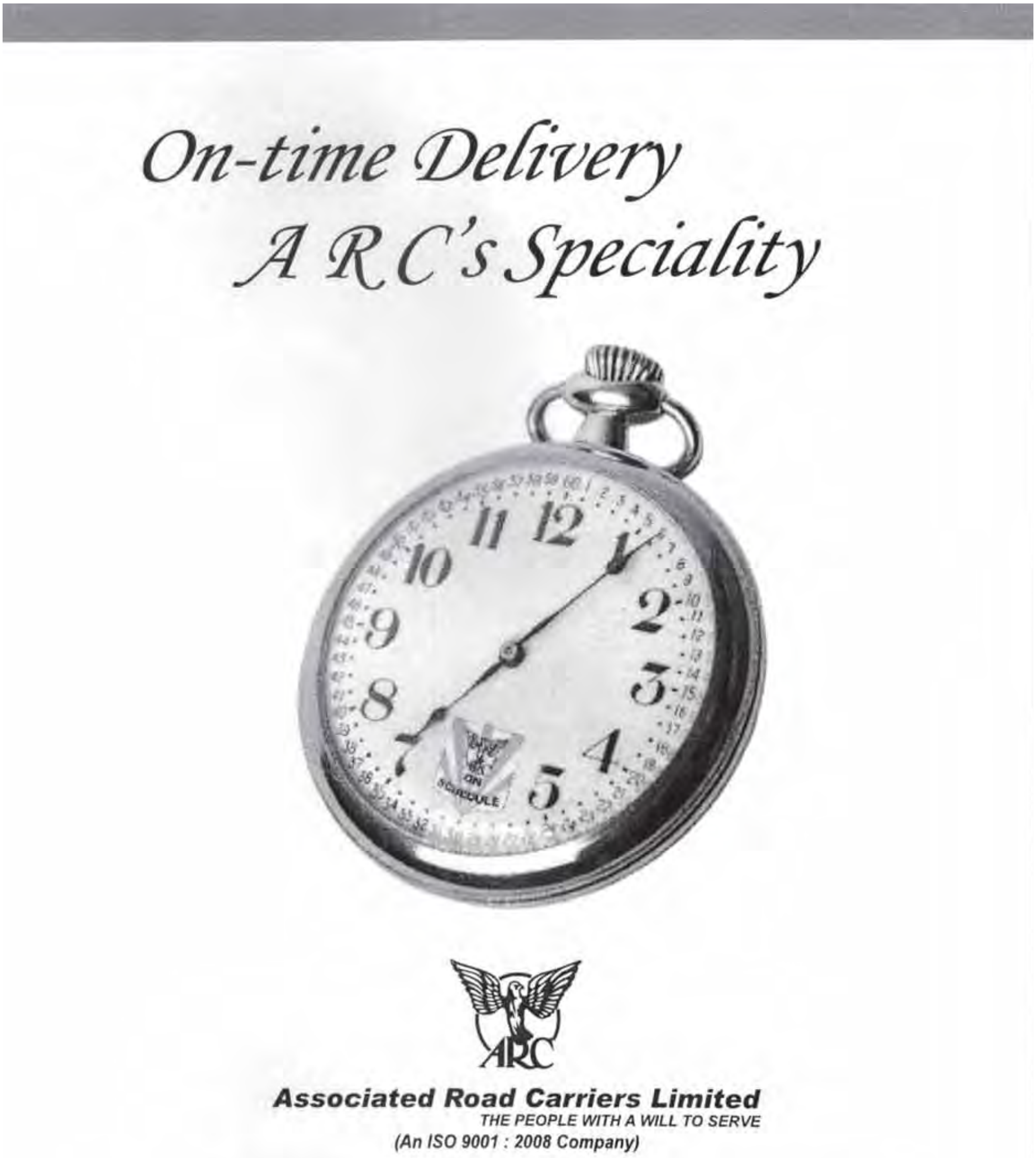
On-time Delivery
A R C's Speciality
ON SCHEDULE
ARC
Associated Road Carriers Limited
THE PEOPLE WITH A WILL TO SERVE
(An ISO 9001 : 2008 Company)
REGISTERED OFFICE:
"Om Towers" 9th Floor,
32, Jawaharlal Nehru Road,
KOLKATA - 700 071. Phone: 22265795
e-mail: cal@arclimited.com
CORPORATE OFFICE:
"Surya Towers" 3rd Floor, 105,
Sardar Patel Road, SECUNDERABAD - 500 003.
Phone:27845400 e-mail: sbd@arclimited.com
REGIONAL OFFICES:
Ahmedabad - Bengaluru -
Chennai - Delhi - Hyderabad -
Kolkata - Mumbai
Visit us at: www.arclimited.com
600 Booking & Delivery Centres
400 Cities / Towns
5000 Destinations

समाज - सुधार के साथ अब 'समाज-निर्माण' की भी चर्चा हो

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

प्रान्तीय अध्यक्ष, झारखण्ड

यह सर्वविदित है कि समय के साथ आवश्यकताएं एवं प्राथमिकताएं बदलती रहती है – व्यक्ति हो या समाज। वैसे बदलाव प्रति पल होता रहता है, हम चाहकर भी इसे रोक नहीं सकते। डार्विन का सिद्धांत Survival of the fittest सार्वभौम सत्य है। बदलाव एवं परिवर्तनशीलता जीवंतता की निशानी है। समाज को जीवंत व सुदृढ रखना हो तो इस सत्य को स्वीकार करना होगा। प्रचलित कुछ कुप्रथाओं का अन्धानुकरण त्यागकर तर्कसंगत परिवर्तन अंगीकर करने होंगे।

समाज को संगठित करना पूर्व में भी हमारी प्राथमिकता थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। बिना संगठन के कोई भी सुधार सम्भव नहीं है, इसलिए संगठन सर्वोपरि है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे देश में मारवाड़ी समाज की एक मात्र शीर्ष प्रतिनिधि संस्था है लेकिन ८१ वर्ष लम्बे कालखंड के बावजूद इसका वजूद कुछ प्रान्तों तक ही सीमित है, गम्भीर प्रयासों के बावजूद इसका विस्तार पूरे देश में नहीं हो पाया है। हम सबको मिलकर इस दिशा में सार्थक प्रयास करना होगा। गत वर्षों में हमारे समक्ष कुछ नयी चुनौतियां उपस्थित हुई हैं – जैसे पारिवारिक विवाद, स्वास्थ्य-सेवा के प्रति उदासीनता, दाम्पत्य जीवन में तनाव, बुजुर्गो के प्रति असम्मान की भावना, सामाजिक समारोह में मद्यपान, समाज के कुछ वर्गों के सामने रोजगार की समस्या इत्यादि।

सम्मेलन इन विषयों में क्या भूमिका निभा सकता है, इस पर गहन चिंतन की आवश्यकता है। आम तौर पर हम समाज सुधार की चर्चा करते हैं मुझे लगता है कि **अब बेहतर समाज निर्माण की चर्चा** करना ज्यादा उचित होगा। समाज के लोग स्वस्थ होंगे, परिवार में सुख-शांति होगी, बुजुर्गों का सम्मान होगा, दाम्पत्य जीवन सद्‌भाव – पूर्ण होगा, प्रत्येक व्यक्ति के पास न्यूनतम अपना घर चलाने एवं सम्मान जनक जीवनयापन के लिए रोजगार होगा, तभी हम एक संगठित समाज की कल्पना कर सकते हैं, इनके अभाव में संगठन की बात करना बेमानी ही होगा।

हमारे समाज का एक वर्ग अति समृद्ध है, कई लोग समृद्ध है, अनेक सिर्फ सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं, वहीं एक वर्ग आर्थिक संकट से जूझ रहा है। सैद्धातिंक तौर पर मारवाड़ी सम्मेलन इन सबका सामूहिक प्रतिनिधित्व करता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन सबके बीच जो दूरी बनी हुई है उसे यथासंभव कम किया जाये; ऐसा कोई समाज नहीं हैं जहां कोई समस्या नहीं है और ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका कोई समाधान न हो। आवश्यकता है हम सब मिलकर समस्याओं का आकलन करके समयानुसार इनके निराकरण का प्रयास करें।

हमारे पूर्वजों ने बहुत पहले महसूस कर लिया था कि समाज में आर्थिक व सामाजिक विषमता कई समस्याओं को जन्म देगी, इसीलिए उन्होंने हमेशा सादगीपूर्ण जीवन व स्वच्छ आचार - व्यवहार की वकालत की थी। धन अर्जित करना अच्छी बात है लेकिन धन का अनावश्यक व अभद्र प्रदर्शन निश्चित ही अपने समाज में और समाज के बाहर गलत संदेश देता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने ढंग से जीने को स्वतंत्र है परंतु विवाह, जन्मदिन, शादी की सालगिरह या अन्य समारोहों में, जिनमें बहुत सारे लोगों की भागीदारी होती है, अनुशासन या आचार-संहिता होनी चाहिए। समाज के सम्पन्न वर्ग में आत्म अनुशासन भी होना चाहिए।

हमारे समाज में एक समय ऐसा भी था, जब कोई व्यक्ति समाज को विश्वास में लिए बिना कोई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित नहीं करता था और न ही अपनी मर्जी से कुछ कर सकता था। विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर सारा कार्य समाज के पंचो की निगरानी में होता था, इसी कारण व्यक्ति जितना भी धनाढय हो उसे अनुशासन में रहना पड़ता था। सामाजिक रीतियों में फिजूलखर्ची को अच्छा नहीं माना जाता था, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल गयी है। व्यक्ति विशेषकर धनाढ्य वर्ग पर समाज का नियंत्रण पूरी तरह समाप्त हो गया है, जिसका परिणाम फिजूलखर्ची और दिखावे के रूप में हमारे सामने है।

सामाजिक संस्थाओं के घटते प्रभाव का एक कारण और है, पहले हमारी सामाजिक संस्थाओं के कर्ता-धर्ता समाज-सुधार की बात करने से पूर्व उसे अपने ऊपर लागू करते थे। अब 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' वाली स्थिति है। **कथनी और**

करनी का अंतर समाज पर पकड़ कमजोर कर रहा है। दूसरों से बहुत सारी अपेक्षाएं की जाती है, पर जब सवाल स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने का आता है तो कदम डगमगाने लगाते हैं और स्वयं अपने द्वारा बनाये गये नियमों से बच निकलने के रास्तों की तलाश की जाने लगती है।

एक और संकट शनै-शनैः समाज को अपनी लपेट में ले रहा है। वह है अपनी भाषा, संस्कृति एवं कला के प्रति अरुचि, अपने आदर्शो, मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत व चिंतन – प्रणाली का परित्याग कर विदेशी चिंतन प्रणाली को अपनाने की होड़ सी मची है, फलस्वरूप हमारी सामाजिक व्यवस्था का मूल आधार-संयुक्त परिवार विघटित हो रहा है। दाम्पत्य जीवन की मजबूत डोर कच्चे धागे के रुप में परिवर्तित होती जा रही है। वैवाहिक सम्बन्ध विच्छेद की घटनाएं बढ़ रही है।

समाज को अन्दर से दीमक की तरह चाटती इन समस्याओं का निराकरण कैसे हो आज इस पर विचार करने की जरुरत है। मर्ज तो हम जान गये हैं, अब इलाज की पहल करनी है। जाहिर है कि इस कार्य के लिए सम्मेलन से बेहतर मंच और कोई नहीं हो सकता।

यदि हमें एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है, तो परस्पर प्रेम, सहयोग मर्यादा एवं अनुशासन का वातावरण बनाना होगा, साथ ही परिवार का बातावरण, खान-पान और वेशभूषा सात्विक और शालीन रखनी होगी और किसी भी कार्यक्रम में आत्म-संयम का परिचय देते हुए फिजूलखर्ची पर रोक लगानी होगी। यदि प्रत्येक परिवार ऐसा करेगा, तभी सुसंस्कृत और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा।

बेहतर समाज निर्माण के रुप में **शिक्षा के प्रति हमारी एक सकारात्मक सोच प्रशंसनीय है।** आज हमारे बच्चे व्यापार एवं उद्योग के अलावा उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न तकनीकी पेशों में भी जा रहे हैं शिक्षा में हमारे समाज के बच्चों का प्रदर्शन प्रशंसनीय है राजनीति के प्रति भी हमारी जागरुकता बढ़ी है। छोटे से प्रान्त झारखण्ड से इस वर्ष **४ लड़को ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त की।** हमारे समाज के **श्री महेश पोद्दार झारखण्ड से राज्यसभा के लिये निर्वाचित हुये हैं** इन सब पर हमें गर्व हैं।

आइये हम सब मिलकर सम्मेलन को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर समाज निर्माण करने में अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का समुचित उपयोग करें।

With Best Compliments From :

GAJANAN

GAJANAN GROUP OF COMPANIES

GAJANAN ORES PVT. LTD.
JAMSHEDPUR (JHARKHAND)

GAJANAN MINCHEM PVT.LTD.
DURGAPUR (WEST BENGAL)

Deals in : Quartzite grains & powder for con-cast furnaces upto 1750°C.
Quartz grains & powder for induction furnaces up to 1650°C.
Quartz grains & powder : 4 Mesh to 1000 Mesh.
Quartzite grains & powder : 4 Mesh to 1000 Mesh.

SHREE MAHAVEER MINERALS PVT. LTD.
BARA JAMDA (WEST SINGHBHUM)
(Iron ore crushing Unit)

PREMIUM INFRA LOGISTICS PVT. LTD.
BARBIL, KOLKATA
(One stop solution for bulk logistics)

Regd. & Corporate Office :

"Merlin Infinite" Room No. 713, 7th Floor, Sector-V, Salt Lake, Kolkata-700 091
Phone : 033-4003 2258/59 Fax : 033-2367 6101
Website : www.gajanangroup.com Email : info@gajanangroup.com

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at most affordable fees
– a corporate social responsibility

2 Yrs. PGDM (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
₹ 2,05,000

2 Yrs. # MBA + PGDM (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)
₹ 2,85,000

 # 3 Yrs. BBA ₹ 80,000

 # 2 Yrs. MBA + PGPM ₹ 90,000

 # 3 Yrs. BCA ₹ 80,000

 # 2 Yrs. MBA (Hospital Mgmnt.) ₹ 1,00,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms • P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses

- **Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)**
- **WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)**
- **Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Persian, French, Bahasa (Indonesia), Bengali and Hindi**
- **Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine**
- **"Family Medicine Certificate Course (First Aid)**
- Company Secretaryship
- School Guide
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology
- Soft Skill • Vocational & Technical Training

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379 • E-Mail : info@iisdedu.in • Website : www.iisdedu.in

With Best Compliments From :

Atindra Construction Pvt. Ltd.

Atindra Tower

147A, Dakshinee Housing Society,
on E.M. Bye Pass, Metropolitan,
Kolkata-700 105

Email : info@atindraconstruction.com

Number One Leading Contractor in Eastern India on the field of Trenchless Technology like HDD, Auger Boring, Jack pushing for Laying of Hume, Steel, HDPE, Petrol, Gas Pipe, ATF, Water, Sewage Lines, Power Cable.

BANQUETS

MARRIAGE SANGEET CORPORATES MEETINGS BACHELORS/DISCO PARTY BIRTHDAY PARTY RING CEREMONEY & OTHER OCCATIONS

"ATINDRA RAIKVA BANQUET"

Historic Elegance "Classic Architecture"
Receptions upto 400 Guests
Preferred catering List
Raikva (Below Sapphire Banquet)
6th Floor, 3A, Ram Mohan Mullick Garden Lane
Kolkata-700 010
Mobile : 9903996600
Email : atindrasteel@gmail.com

"ATINDRA BANQUET"

Receptions upto 250 Guests
Preferred Catering List
1st Floor, 34A, Picnic Garden
Kolkata-700 039
Mobile : 9903996600
Email : atindrasteel@gmail.com

anmol GROUP

ANMOL FEEDS PVT. LTD.
ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY
NSIC CRISIL Rating of SE 1B
Unit No. 609 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town
Kolkata-700156, West Bengal, India,
P: +9133-4028 1000-1035, E: afpl@anmolgroups.com

OUR ESTEEMED BRANDS
anmol · Nutri Choice · HEN TECH

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

THANK YOU INVESTORS

FOR MAKING US NO.1 IN EASTERN INDIA IN MUTUAL FUND MOBILISATION

AUM of Rs. 2,256.37 crores in Kolkata
Total AUM of Rs. 5,101.59 crores as on 05th December, 2016

W: www.aumcap.com | **P: +91 33 3058 8405**

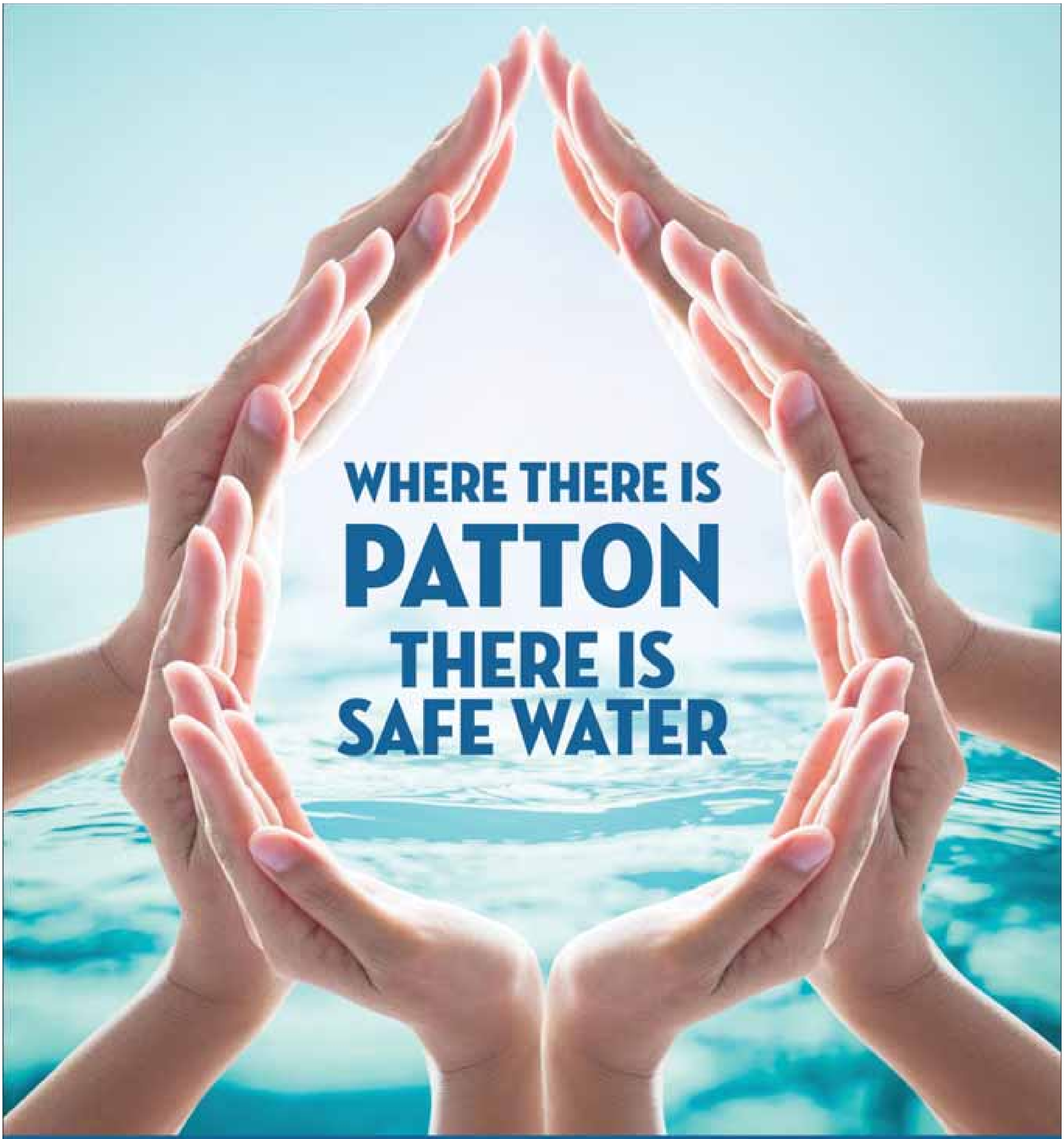

PATTON

3C Camac Street, Kolkata 700 016, West Bengal, India
P: +91 33 22294369 F: +91 33 2217 2189
E: patton@pattonindia.com
www.pattonindia.com

sukanya

हमारा संकल्प हर सुकन्या शिक्षित हो

धन्यवाद धनवंतरि

मेरे सपनों को संवारने के लिये.....

I am now a sukanya scholar

Dhanwantary

Kolkata's Most Trusted Pharmacy

With Best Compliments From :

Pradeep Singhania

Singhania & Sons Private Ltd.

3-D, DUCKBACK HOUSE
41, Shakespeare Sarani
Kolkata-700017
Phone: 22830300 (5 Lines)
Fax: 91-33-2283-0305

With Best Compliments From :

Ashok Kumar Jalan

Jalan Sarees Pvt. Ltd.

13, Narayan Prasad Babu Lane
2nd Floor, Kolkata-700 007
Phone : (S) 2270 2765, 2270 7639
Mobile : 98310 28666
Email : jalan.sarees@yahoo.com

A HOUSE OF FANCY SAREES & GHAGRA CHUNNI ETC.

AGARWAL MARRIAGE BUREAU

SANTOSH KAUSHIK (Proprietor)

Mo: +91 9831014505
+91 9674805683
E-mail: smbpltd@gmail.com/santoshkaushik505@gmail.com

HEAD OFFICE :
29, Ganesh Chandra Avenue, 4th Floor
Room No. 401, Kolkata - 700013
Tele : (033) 40034763
Mo: +91 8336971412

BRANCH OFFICE :
13, Kamal Kunj, Poddar Road, Malad (E) Mumbai-400 097
Mo : +91 8336971413

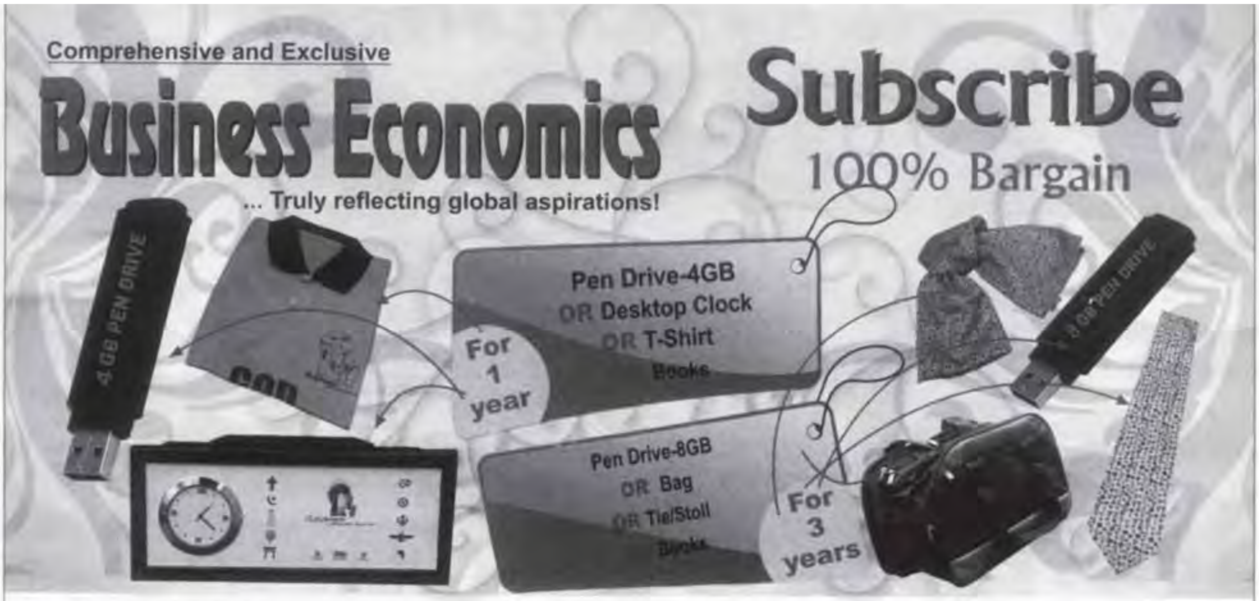

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. ______

Address : ______

______ City/District : ______

State: ______ Country: ______ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : ______ Mobile : ______ Landline : ______ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. ______ dated: ______ for Rs. ______ drawn on: ______

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: ______ date: ______

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

BUREAU VERITAS Certification

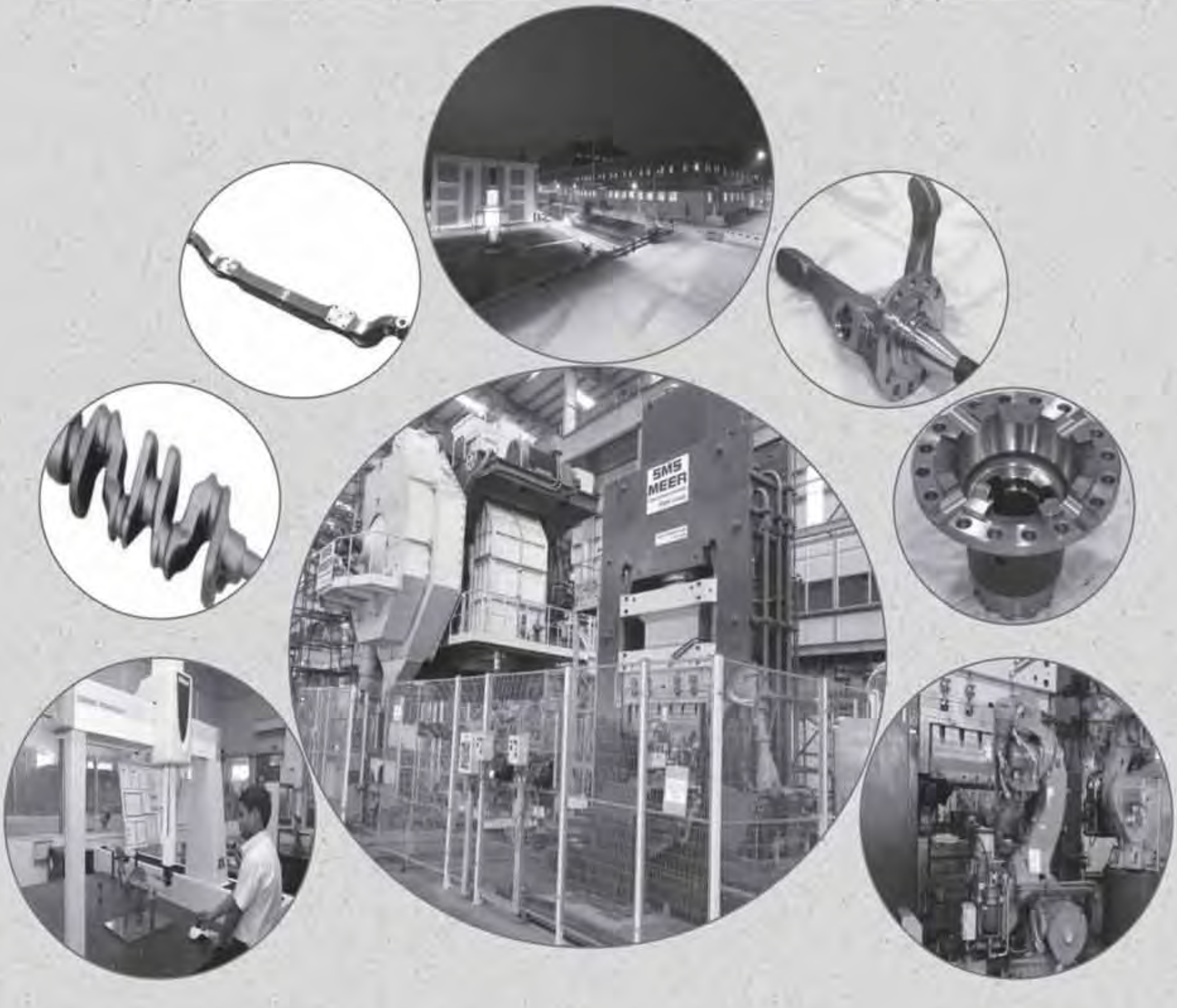

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is Eastern India's biggest and India's leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL has Open and Close Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling and Press Lines from 2000 to 12500 Ton. RKFL is a supplier to major OEM's, Tier 1 suppliers globally for Automotive, Aerospace, Defence, Mining, Earth Moving, Oil Exploration, Railways and General Engineering Industries.

Regd. & Corporate Office: "Ramkrishna Chambers", 72, Shakespeare Sarani, Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Overseas Office at: Detroit-USA, Toluca-Mexico.
Liaison Office: Mumbai, New Delhi, Chennai, Bangalore, Kapurtala, Ajmer, Gorakhpur, Bhubaneswar, Guwahati, Hubli, Mysore, Jabalpur
Plants at: Plant I, III, IV & V at Jamshedpur, India and Plant: II at Liluah, Howrah, India

Contact No: (+91) 33 3984 0900, Fax: (+91) 33 3984 0998; Email: info@ramkrishnaforgings.com

www.ramkrishnaforgings.com

WONDER GROUP

wonder wallz

Made-To-Order Wall Decor

"you imagine we create"

WonderWallz is a division of Wonder Images Pvt. Ltd. The state of art machines & the efficient design team helps to deliver wall solutions for all unique requirements. With over 1lakh designs it is easy to choose a wall which is a true representation of your choice.

The USP is zero wastage, customized design, lower effective cost, environment friendly & unique creation.

MADE -TO- ORDER SOLUTIONS

- Wall Covering
- Textured Wall Paper
- Etching Films
- Printed Transparent Films
- Canvas Art
- Portraits
- Wall Clocks
- Designer Panels & Partition
- Lampshades
- Decor Items
- Signage
- Building Warp

COLOURS

Customization

CREATIVITY

Unique wall solutions

Contact Us:

Aditi: +91 98307 25900
Email: aditi@wondergroup.in
Gallery: www.flickr.com/photos/131388784@N04/
Flickr ID: kediaaditi

Works:
Tangra Industrial Estate-II (Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road, Kolkata-700 015, India.
Tel: +91 33 23298891-92

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

SAFETY · ACTIVITY · COMMUNITY · SPIRITUALITY

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

ROOMS

- Furnished and fully-serviced AC rooms
- TV, balcony, attached toilet and pantry
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

SENIOR-FRIENDLY ARCHITECTURE

- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

SECURITY

- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE

- 24 x 7 ambulance, attendant, emergency healthcare
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

Supported by infinity

+91 88 200 22022 | Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com

With Best Compliments from :

MIRONDA
TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MIRONDA TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MERCURY INTERNATIONAL

MALVIKA COMMERCIAL PVT. LTD.

AMIT FERRO-ALLOYS & STEEL (P) LTD.

SB TOWERS, 3RD FLOOR,
37, SHAKESPEARE SARANI
KOLKATA - 700 017, INDIA

PHONE : 2289-5400
FAX : 2289-5401
EMAIL : info@mirondagroup.com

NO MATCH TO SANMARG IN WEST BENGAL

With Best Wishes from :

सन्मार्ग

The Oldest & Largest Hindi Daily with ABC Membership in West Bengal

Circulation : 1,12,498 as per ABC (January-June-2016)

94% of Hindi Readers read Sanmarg

Sanmarg HINDI DAILY

JHARKHAND I BIHAR I ORISSA I BENGAL

KHABRE ANEK SACHAI EK

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th December 2016
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com